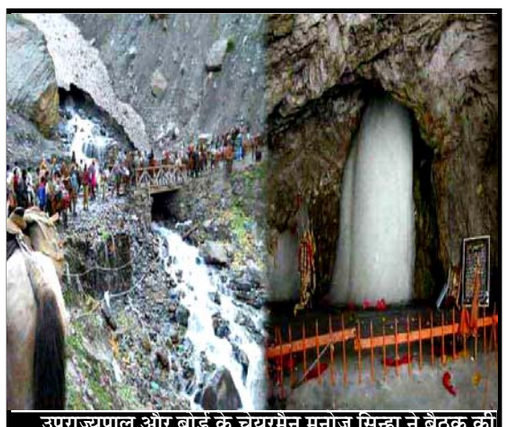

उपराज्यपाल और बोर्ड के चेयरमैन मनोज सिन्हा ने बैठक की अध्यक्षता की। बाबा अमरनाथ की वार्षिक यात्रा वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने के कारण बीच में ही बंद कर दी गई थी। वहीं कोविड के कारण वर्ष 2020 और 2021 में यात्रा नहीं हुई।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 103 दिनांक: 28-03-2022 सोमवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

भारतीय मूल की उद्यमी और उत्तरी इंग्लैंड में डेजर्ट पार्लर चलाने वाली 30 वर्षीय हरप्रीत कौर ने ब्रिटेन के लोकप्रिय टेलीविजन शो 'द अप्रेंटिस' में जीत हासिल की है। हरप्रीत कौर ने 16 प्रतिभागियों को मात देकर 2.5 लाख पौंड का निवेश भी हासिल कर लिया है।

43 दिन की अमरनाथ यात्रा 30 जून से होगी शुरू, उपराज्यपाल की अध्यक्षता में हुई श्राइन बोर्ड की बैठक में हुआ फैसला

जम्मू । दो वर्ष तक कोविड के कारण बंद रही बाबा अमरनाथ की वार्षिक यात्रा इस साल तीस जून से शुरू होने जा रही है। यात्रा 43 दिनों की होगी। इस दौरान कोविड प्रोटोकाल का पूरा ध्यान रखा जाएगा। यह फैसला श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड की रविवार को आयोजित हुई बैठक में किया गया। उपराज्यपाल और बोर्ड के चेयरमैन मनोज सिन्हा ने बैठक की अध्यक्षता की। बाबा अमरनाथ की वार्षिक यात्रा वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने के कारण बीच में ही बंद कर दी गई थी। वहीं कोविड के कारण वर्ष 2020 और 2021 में यात्रा नहीं हुई। इस बार यात्रा को सफल बनाने के लिए पूरे प्रबंध किए जा रहे हैं। इस बार तय किया गया कि यात्रा तीस जून को शुरू होगी और रक्षाबंधन के दिन 11 अगस्त को समाप्त होगी। यात्रा के लिए आनलाइन पंजीकरण 11 अप्रैल से शुरू हो जाएगा। उपराज्यपाल ने अधिकारियों को यात्रा को सुचारू रूप से चलाने के लिए सक्रिय होकर पुख्ता प्रबंध करने को कहा। उन्होंने कहा कि इसा वर्ष बड़ी संख्या में यात्रा में श्रद्धालुओं के भाग लेने की उम्मीद है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए रेडियो फ्रिक्वेंसी इंडेटीफिकेशन से उनकी पूरे यात्रा मार्ग पर निगरानी की जाएगी।

वहीं श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए भी सभी प्रयास किए जाएंगे। यात्रियों के लिए संचार सुविधाएं भी बेहतर होंगी। विभिन्न सरकारी विभागों और एजेंसियों में तालमेल के लिए आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। बैठक में श्राइन बोर्ड के सीईओ नितेश्वर कुमार ने यात्रा मार्ग और भवन में श्राइन बोर्ड द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। इस वर्ष की यात्रा को लेकर अहम तैयारियां की ली गई हैं। अवास की क्षमता में वृद्धि के साथ, नए यात्री निवास भवन, स्वास्थ्य सुविधाएं, बेहतर ट्रैक, दूरसंचार सुविधाएं, हेलीकाप्टर सेवाएं, श्राइन बोर्ड की ऐप, घोड़े वालों के लिए साल भर का वीमा, यात्रियों और सेवा प्रदाताओं के लाभ के लिए कई पहल की गई हैं।

श्राइन बोर्ड के अतिरिक्त सीईओ राहुल सिंह ने बैठक में यात्रा के संबंध में की जा रही गतिविधियों और विकास कायों के बारे में जानकारी दी। बैठक में बोर्ड के सदस्यों ने कई सुझाव दिए। इसमें सोशल मीडिया के माध्यम से यात्रा के बारे में सभी जानकारियां देने, मोबाइल एप और यूटयूब के माध्यम से भी यात्रा के बारे में जानकारी देना शामिल है। अमरनाथ यात्रा तीस जून को शुरू होगी और रक्षाबंधन के दिन 11 अगस्त को समाप्त होगी। उपराज्यपाल और बोर्ड के चेयरमैन मनोज सिन्हा ने बैठक की अध्यक्षता की। बाबा अमरनाथ की वार्षिक यात्रा वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने के कारण बीच में ही बंद कर दी गई थी। वहीं कोविड के कारण वर्ष 2020 और 2021 में यात्रा नहीं हुई। इसमें श्रद्धालु यशत्रा सेवाओं का लाभ कैसे उठाएं, क्या करें और क्या न करें, अनिवार्य स्वास्थ्य जांच के बारे में जागरूकता हो।

सतह से हवा में मार करने वाली मध्यम दूरी की मिसाइल का किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने रविवार को सतह से हवा में मार करने वाली मध्यम दूरी की मिसाइल के सेना के संस्करण का ओडिशा के चांदीपुर से परीक्षण किया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने यह जानकारी दी है। डीआरडीओ ने कहा कि मिसाइल परीक्षण सुबह 10.30 बजे किए गए।

डीआरडीओ ने ट्वीट किया एमआरएसएएम-आर्मी मिसाइल तंत्र उड़ान का बालासोर के समेकित परीक्षण रेंज से 10.30 बजे परीक्षण किया गया,जिसने लंबी दूरी वाले हवाई लक्ष्य को बेध दिया। मिसाइल ने लक्ष्य को ध्वस्त कर दिया। इस मिसाइल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने इजरायल के आईएआई कंपनी के साथ मिलकर बनाया है। इजरायल से भारत को मिली बराक मिसाइल भी एमआरएसएएम ही है। सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल आर्मी वेपन सिस्टम में कमांड पोस्ट, मल्टी फंक्शन राडार, मोबाइल लॉन्चर सिस्टम होता है। यह इजरायल की खतरनाक मिसाइल बराक-8 पर आधारित है।

एक बार लॉन्च होने के बाद एमआरएसएएम आसमान में सीधे 16 किलोमीटर तक टारगेट को गिरा सकती है। वैसे इसकी रेंज आधा किलोमीटर से लेकर 100 किलोमीटर तक है। यानी इस रेंज में आने वाले दुश्मन यान, विमान, ड्रोन या मिसाइल को नेस्तानाबूत कर सकती है। एमआरएसएएम मिसाइल का वजन करीब 275 किलोग्राम होता है। लंबाई 4.5 मीटर और व्यास 0.45 मीटर होता है। इस मिसाइल पर 60 किलोग्राम वॉरहेड यानी हथियार लोड किया जा सकता है। यह दो स्टेज की मिसाइल है, जो लॉन्च होने के बाद धुआं कम छोड़ती है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले 23 मार्च को सतह से सतह पर मार करने वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया था। अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया था। रक्षा अधिकारी ने बताया था कि मिसाइल ने सीधे अपने टारगेट पर हिट किया था। एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने इस सतह से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के सफल परीक्षण पर बधाई भी दी थी।

आतंकवादियों के हमले में शहीद हुए विशेष पुलिस अधिकारी इशफाक अहमद के भाई की भी मौत

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में आतंकवादियों के हमले में शहीद हुए विशेष पुलिस अधिकारी इशफाक अहमद के भाई की एक अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। आतंकियों ने शनिवार को विशेष पुलिस अधिकारी इशफाक अहमद की बडगाम में उनके आवास के पास गोली मार कर हत्या का दी थी। इस घटना में उनके भाई उमर जान को भी गोलियां लगी थीं।उमर को बेमीना के एसकेआईएमएस अस्पताल ले जाया गया जहां रविवार को उसकी मौत हो गई। शनिवार रात करीब 8।35 बजे आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की थी और एसपीओ इशफाक अहमद को बडगाम में चाडबुग स्थित उनके घर के पास गंभीर रूप से घायल कर दिया। दोनों भाइयों को बेमिना स्थित एसकेआईएमएस अस्पताल ले जाया गया 48 घंटे के भीतर दोनों की मौत हो गई।

दोनों भाइयों के जनाजे में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। हमले के बाद परिवार के कुछ लोगों ने गांव छोड़ने का ऐलान भी किया। जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ दिनों में आतंकयों ने सुरक्षाबलों औ-पुलिसकर्मियों पर हमला करने की रणनीति तेज की है। इस हमले में अब तक छह सुरक्षाकर्मियों की मौत हो चुकी है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंत्री मुकेश सहनी को अपनी कैबिनेट से बर्खास्त किया

पटना (ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को मत्स्य एवं पशुपालन मंत्री मुकेश सहनी को अपनी कैबिनेट से बर्खास्त कर दिया है। सूत्रों ने कहा कि इसकी सिफारिश गठबंधन की सरकार में सहयोगी बीजेपी के एक 'लिखित निवेदन' के बाद राज्यपाल को भेजी गई है। इसमें कहा गया कि विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के संस्थापक प्रमुख सहनी अब एनडीए का हिस्सा नहीं हैं। बीजेपी की सिफारिश पर सहनी को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था। भाजपा ने ही सहनी को विधान परिषद में भेजा था, क्योंकि वह विधानसभा का चुनाव हार गए थे।

वीआईपी के तीन विधायक कुछ दिन पहले ही बीजेपी में शामिल हो गए थे। इसके बाद से अटकलें थीं कि मुकेश सहनी को मंत्रिमंडल से हटाया जा सकता है। लेकिन उन्होंने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया था। सहनी ने अरुणाचल प्रदेश में जेडीयू और बिहार में लोक जनशक्ति पार्टी के विभाजन का उदाहरण दिया था। सहनी का बिहार विधान परिषद का कार्यकाल जुलाई में खत्म हो रहा था। बीजेपी ने ही उन्हें एक खाली सीट से निर्वाचित होने में मदद की थी लेकिन इस बार बीजेपी ने पासा पलट दिया। सहनी ने बीजेपी के इन दावों को भी खारिज कर दिया कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले उन्हें इस शर्त पर एनडीए में शामिल किया गया था कि वह छह महीने के भीतर अपनी पार्टी का विलय भाजपा में कर देंगे। मुकेश सहनी ने उत्तरप्रदेश चुनाव में अपनी पार्टी के उम्मीदवार उतारे थे।

पेट्रोल 50 पैसे और डीजल 55 पैसे महंगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। रविवार को भी देश के अलग-अलग शहरों में पेट्रोल-डीजल बढ़े हुए दाम में मिल रहा है। इस तरह पिछले छह दिनों में पांचवीं बार पेट्रोल व डीजल के दाम बढ़े हैं। र?विवार को पेट्रोल के दाम में 50 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। वहीं डीजल की कीमत में 55 पैसे प्रति लीटर की तेजी आई है। इस ताजा बढ़ोतरी के साथ दिल्ली में पेट्रोल का दाम 99.11 रुपए प्रति लीटर हो गया है। दूसरी तरफ डीजल की कीमत बढ़कर दिल्ली में 90.42 रुपए प्रति लीटर हो गई है। मुंबई में भी पेट्रोल-डीजल बढ़ी हुई दरों पर मिल रहा है। मुंबई में रविवार को पेट्रोल का भाव बढ़कर 113.81 रुपए प्रति लीटर हो गया है। वहीं यहां डीजल 98.05 रुपए प्रति लीटर के भाव पर मिल रहा है। गौरतलब है ?कि इससे पहले 22, 23, 25 और 26 मार्च को देश में इन दोनों उत्पादों की कीमतों में इजाफा हुआ था। चारों बार कीमतों में 80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई थी। इससे पहले लंबे समय तक पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं हुई थी। तेल कंपनियों ने पिछले साल दिवाली के बाद से पेट्रोल डीजल की कीमतों को स्थिर रखे हुए था। इन उत्पादों की कीमतों में 22 मार्च को 137 दिन के अंतराल के बाद तेजी आई थी। लंबे समय तक कीमतों को स्थिर रखने के चलते ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को काफी नुकसान हो रहा था। ऐसे में कंपनियां अपने नुकसान को कम करने के लिए आगे भी कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती हैं।

कार्टून कोना

पाठकों से निवेदन

प्रिय पाठक आपका प्रिय समाचार पत्र जनहितैषी पिछले कई वर्षों से मात्र १रू. के मूल्य पर दिया जा रहा है। किन्तु अब अखबारी कागज, इन्क के दामों में वृद्धि व अन्य खर्चों में बढ़ोत्तरी के चलते अब दि.०१अप्रैल२०२२ से १ रूपया ५० पैसे में प्राप्त होगा आप से निवेदन है पिछले वर्षों की तरह ही आगे भी सहयोग करते रहेंगें।

-सम्पादक

भारत बंद और बैंकों की हड़ताल के कारण बैंक, रेलवे, रक्षा समेत तमाम क्षेत्रों में कामकाज प्रभावित होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। मजदूर संगठनों के केंद्रीय ज्वाइंट फोरम और तमाम स्वतंत्र श्रमिक संगठनों ने सोमवार और मंगलवार को केंद्र की आर्थिक नीतियों को जनता विरोधी और श्रमिक विरोधी बताते हुए इस भारत बंद का आह्वान किया है। इन संगठनों ने श्रम संहिता को खत्म करने, किसी क्षेत्र में निजीकरण न करने, परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए बने नेशनल मोनेटाइजेशन पाइपलाइन को निरस्त करने, मनरेगा मजदूरी को बढ़ाने और कांट्रैक्ट वर्कररों के नियमितीकरण जैसी मांगे उठाई हैं। भारत बंद और बैंकों की हड़ताल के कारण 28-29 मार्च को बैंक, रेलवे, रक्षा समेत तमाम क्षेत्रों में कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। तमाम सरकारी बैंकों की यूनियनों भी इस हड़ताल का समर्थन करने का फैसला किया है, जो ट्रेड यूनियनों ने आहूत की है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने कहा है कि हड़ताल के कारण उसकी सेवाएं कुछ हद तक प्रभावित हो सकती हैं। उसने कामकाज को सामान्य तौर पर संचालित करने के लिए जरूरी इंतजाम भी किए हैं। पीएनबी ने कहा है कि बैंक के कर्मचारी संगठनों ने हड़ताल को लेकर नोटिस दिया है, इससे सेवाओं पर असर पड़ सकता है।

केनरा बैंक, आरबीएल बैंक, यूनियन बैंक ने भी कहा है कि उनकी सेवाओं पर असर पड़ सकता है। दो दिन की हड़ताल के बाद वित्तीय वर्ष के आखिरी दिनों में क्लोजिंग के कारण 30-31 मार्च को भी बैंकों में ग्राहकों के लिए सेवाओं पर असर पड़ सकता है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के सभी सरकारी लेनदेन को 31 मार्च के पहले अकाउंट में डालना पड़ता है। रिजर्व बैंक का कहना है कि सभी बैंकों को सरकारी लेनदेन के लिए सभी शाखाओं को निश्चित समय के लिए खोलना पड़ेगा, ताकि कामकाज सुचारू रूप से चल सके।

विश्व के नियोजित शहरों की श्रेणी में सबसे विकसित शहर चंडीगढ़ : शाह

चंडीगढ़ (ईएमएस)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने चंडीगढ़ पहुंचकर विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया है। इस दौरान पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारीलाल पुरोहित भी मौजूद रहे। विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के बाद अमित शाह ने कहा कि, नगर निगम में भाजपा को फिर सेवा मौका दिया है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ विश्व इतिहास में नियोजित शहरों की श्रेणी में सबसे विकसित शहर है। मैं चंडीगढ़ प्रशासन को बधाई देता हूं कि उन्होंने चंडीगढ़ में बदलाव के साथ चलने का क्रम बनाया है।

उन्होंने कहा मैंने यहां कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। मैं आज यह जरूर बताना चाहता हूं कि चंडीगढ़ आने वाले दिनों में देश का सबसे डिसिप्लिन्ड और आधुनिक शहर बनने वाला है। उल्लेखनीय है कि अमित शाह ने रविवार को वाणिज्य महाविद्यालय के छात्रावास प्रखंड, पुलिस कर्मियों के लिए 240 आवास निर्माण की परियोजना और एक बस डिपो-सह-कार्यशाला की भी आधारशिला रखी।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री के साथ पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित भी थे। आईसीसीसी परियोजना के तहत यातायात उल्लंघन पर नजर रखने के लिए शहर में 2,000 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। आईसीसीसी केंद्र को सेवाओं और डेटा विश्लेषण की प्रभावी निगरानी के लिए पानी, बिजली, सीवेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, परिवहन, ई-मेल शासन, पार्किंग और सार्वजनिक-बाइक साझाकरण सहित प्रमुख नागरिक सेवाओं के साथ एकीकृत किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने जिन अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन किया उनमें चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड का एक नया कार्यालय भवन, दो सरकारी स्कूल और एक शहरी पार्क शामिल हैं।

नीतीश कुमार पर उनके गृहनगर बख्तियारपुर में एक शख्स ने हमला किया

पटना (ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर रविवार को उनके गृहनगर बख्तियारपुर में एक शख्स ने हमला कर दिया। सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है और फिलहाल वह पुलिस हिरासत में है। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज में हमला उस समय होता दिख रहा है जब मुख्यमंत्री एक स्थानीय अस्पताल के परिसर में राज्य के एक स्वतंत्रता सेनानी शीलभद्र याजी की प्रतिमा के समक्ष उन्हें श्रद्धांजलि देने वाले थे।

पीछे से आए व्यक्ति को तेज कदमों से मंच पर चढ़ते हुए और नीतीश कुमार की पीठ पर वार करते देखा गया। सुरक्षाकर्मियों ने उसे तुरंत खींच लिया। एक अन्य वीडियो में हमला करने वाला शख्स पुलिस द्वारा ले जाते हुए दिख रहा है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इन दिनों अपने पुराने लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों का दौरा कर रहे हैं। कुमार 1989 से 1999 तक बाढ़ लोकसभा क्षेत्र से पांच बार चुने गए।

राष्ट्रपति बनने की अफवाहों का खंडन किया मायावती ने

लखनऊ (ईएमएस)। यूपी विधानसभा चुनाव में बीजेपी की मदद करने और उसके बदले राष्ट्रपति बनाने के प्रस्ताव से जुड़े दावों पर मायावती ने आरोप लगाया कि बीजेपी और आरएसएस ने उनके समर्थकों को गुमराह करने के लिए यह झूठा प्रचार किया था कि अगर उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव में बीजेपी को जीतने दिया जाएगा, तो बहनजी को राष्ट्रपति बनाया जाएगा। यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने यह भी साफ कर दिया कि वह किसी भी पार्टी से इस तरह के प्रस्ताव को कभी स्वीकार नहीं करेंगी।

विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद बसपा प्रमुख मायावती ने पहली बार पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और पूर्व प्रत्याशियों की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा इस चुनाव में बसपा को कमजोर करने के लिए बीजेपी ने एक सोची-समझी साजिश के तहत काम किया। मायावती ने चुनाव में हार का कारण बताते हुए कहा, बीजेपी ने अपने संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जरिये हमारे लोगों में यह गलत प्रचार कराया कि यूपी में बसपा की सरकार नहीं बनने पर हम आपकी बहन जी को देश का राष्ट्रपति बनवा देंगे, इसलिए आपको भाजपा को सत्ता में आने देना चाहिए। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति बनना तो बहुत दूर की बात है, वह इस बारे में सपने में भी नहीं सोच सकतीं।

बसपा प्रमुख ने कहा कि इनको यह भी मालूम है कि बहुत पहले ही कांशीराम ने उनका यह प्रस्ताव ठुकरा दिया था और मैं तो उनके पदचिह्नों पर चलने वाली उनकी मजबूत शिष्या हूं।उन्होंने कहा कि जब कांशीराम ने यह पद स्वीकार नहीं किया, तो भला फिर वह कैसे यह पद स्वीकार कर सकती हैं। उन्होंने दावा किया कि वह अपनी पार्टी और आंदोलन के हित में कभी भी बीजेपी या अन्य किसी पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद स्वीकार नहीं कर सकती। मायावती ने कहा कि अब मेरा जीवन ही संघर्ष है और संघर्ष ही मेरा जीवन है, अर्थात अब मेरी जिंदगी का एक-एक पल पूरे देश में अपनी पार्टी को हर स्तर पर मजबूत बनाने पर ही लगेगा। बसपा अध्यक्ष ने अति पिछड़े वर्गों, मुस्लिम व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों तथा अगड़ी जातियों के गरीब और पीड़ित लोगों को भी जोड़ने पर जोर दिया।

ओमिक्रॉन के स्टील्थ वैरिएंट ने अमेरिका, ब्रिटेन में मचाया कोहराम, भारत अलर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। महामारी कोरोना के सुस्त पड़ने के साथ थोड़ी राहत के बाद भारत समेत दुनिया भर ने राहत की सांस ली है। इसके चलते उम्मीद की जा रही थी कि जल्दी ही देश को कोरोना संक्रमण से मुक्ति मिल जाएगी। लेकिन अब ओमिक्रॉन के स्टील्थ वैरिएंट ने फिर से परेशानी बढ़ा दी है। अमेरिका, ब्रिटेन और चीन में ओमिक्रॉन का यह नया सब वैरिएंट कहर बरपा रहा है। जिसके बाद भारत में भी चिंता बढ़ने लगी है कि कहीं आने वाले दिनों में कोरोना फिर से चिंता का कारण न बन जाए। इससे देश में कोरोना की चौथी लहर की आशंका बढ़ने लगी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की अधिकारी मारिया वैन केरखोव ने दुनिया के शीर्ष देशों को आगाह किया है कि कोरोना को अभी हल्के में लेना खतरनाक साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि ओमिक्रॉन का यह नया सब वैरिएंट स्टील्थ ओमिक्रॉन से भी ज्यादा संक्रामक है। यही वजह है कि कई देशों में कोरोना केसों में बढ़ोत्तरी देखी गई है।

यूरोपीय देशों में कोरोना केसों में यकायक बढ़ोत्तरी देखी गई है। जर्मनी में शुक्रवार को तीन लाख कोरोना केस सामने आए। जर्मनी के स्वास्थ्य मंत्री कार्ल लुटरबेक ने सभी लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने माना कि देश में कोरोना की संक्रमण दर में लगातार बढोत्तरी हो रही है। यही हाल इटली और फ्रांस का भी है। इटली में एक दिन में कोरोना के तकरीबन डेढ़ लाख नए केस सामने आए। जबकि फ्रांस में शुक्रवार को एक लाख 10874 नए कोरोना केसों से हड़कंप मच गया।

यूनाइडेट किंगडम में भी कोरोना के नए सब वैरिएंट से कोरोना मामलों में काफी बढ़ोत्तरी हो रही है। इस नए वैरिएंट से ब्रिटेन में मचे हाहाकार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले एक सप्ताह में कोरोना के 4.2 मिलियन केस आ चुके हैं। अधिकारियों का मानना है कि स्टील्थ सब वैरिएंट से कोरोना की संक्रमण दर में काफी इजाफा हुआ है।

दुनिया के सबसे तगड़े हेल्थ सिस्टम का दावा करने वाले अमेरिका में भी कोरोना के नए सब वैरिएंट से हाहाकार मचा है। इस वक्त अमेरिका में रोजाना औसतन 28600 कोरोना के केस सामने आ रहे हैं। हालांकि ये पिछली लहर की तुलना में उतना ज्यादा नहीं है। पिछले वर्ष अमेरिका में कोरोना के औसतन 80 हजार नए केस सामने आए थे। लेकिन स्वास्थ्य अधिकारियों कोरोना के इन नए आंकड़ों को भी गंभीरता से ले रहे हैं।

भारत के पड़ोसी देश चीन में भी कोरोना के नए वैरिएंट से हाहाकार है। चीनी प्रशासन ने कई शहरों में लॉकडाउन की घोषणा की है। इस वक्त 26 मिलियन की आबादी वाला शंघाई शहर देश का सबसे बड़ा कोरोना हॉटस्पॉट बना हुआ है। लेकिन प्रशासन ने शहर में लॉकडाउन नहीं लगाया है। शंघाई में कोरोना के मामले पिछले तीन दिनों में तेजी से बढ़े हैं। गुरुवार को 1,609 से बढ़कर शुक्रवार को 2,267 तक पहुंचे। कई पाबंदियों के बाद भी शनिवार को शहर में कोरोना के 2676 नए मामले सामने आए। वैश्विक शिपिंग हब के रूप में शंघाई की भूमिका को देखते हुए अधिकारियों ने शहर पर संपूर्ण लॉकडाउन लगाने से इनकार कर दिया है। चीन प्रशासन का कहना है कि ऐसा करने से वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है। हालांकि, जनता के लिए कुछ आवश्यक प्रतिबंध जरूर लगाए गए हैं।

इन सबके बीच भारत में कोरोना की मौजूदा स्थिति पर नजर डालें तो थोड़ी राहत है। इस वक्त देश में कोरोना के एक्टिव केस 16187 हैं। भारत में रिकवरी रेट 98.75 पहुंच गया है। पिछले कुछ माह से देश में कोरोना के अधिक केस नहीं देखे गए।

भारत के स्वास्थ्य एक्सपर्ट्स का कहना है कि डेल्टा वैरिएंट के मुकाबले ओमिक्रॉन का असर देश में कम देखा गया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि ओमिक्रॉन के नए सब वैरिएंट स्टील्थ का भी देश में उतना असर नहीं देखने को मिलेगा। हालांकि फिर भी स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी नागरिकों से मास्क पहनने और दो गज की दूरी बनाए रखने का फिर आह्वान किया है। मंत्रालय का कहना है कि अभी कोरोना संकट टला नहीं है और कोरोना से बचाव के तरीकों का इस्तेमाल जारी रखें।

भारत ने 400 बिलियन डॉलर के एक्सपोर्ट लक्ष्य को हासिल किया, दुनिया में बढ़ी हमारे उत्पादों की मांग : मोदी

-मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'मन की बात' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने 400 बिलियन डालर का एक्सपोर्ट लक्ष्य हासिल कर लिया है। पांच राज्यों में चुनाव संपन्न होने के बाद पहली बार पीएम मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित किया। पीएम नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत ने 400 अरब डालर के निर्यात का लक्ष्य हासिल कर लिया है। यह भारत की क्षमताओं और क्षमता को दर्शाता है। इसका मतलब है कि दुनिया में भारतीय सामानों की मांग बढ़ रही है।

पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के दौरान कहा हम 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाएंगे। आज पूरे विश्व में हेल्थ को लेकर भारतीय चिंतन चाहे वो योग हो या आयुर्वेद इसके प्रति रुझान बढ़ता जा रहा है। पिछले ही सप्ताह कतर में एक योग कार्यक्रम में 114 देशों के नागरिकों ने हिस्सा लेकर एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है। आयुष उद्योग का बाजार लगातार बड़ा हो रहा है। छह साल पहले आयुर्वेद से जुड़ी दवाइयों का बाजार 22 हजार करोड़ रुपए के आसपास था। आज आयुष विनिर्माण उद्योग एक लाख चालीस हजार करोड़ रुपए के आसपास पहुंच गया है।

पीएम मोदी ने कहा जैसे आजादी के अमृत महोत्सव में हमारे देश के हर जिले में कम से कम 75 अमृत सरोवर बनाए जा सकते हैं। कुछ पुराने सरोवरों को सुधारा जा सकता है, कुछ नए सरोवर बनाए जा सकते हैं। मुझे विशवास है कि आप इस दिशा में कुछ ना कुछ प्रयास जरूर करेंगे।

पीएम मोदी ने पूर्वोत्तर में लगने वाले माधवपुर मेला का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा माधवपुर मेला कहां लगता है? क्यों लगता है? कैसे ये भारत की विविधता से जुड़ा है? ये जानना 'मन की बात' के श्रोताओं को बहुत रोचक लगेगा। उन्होंने कहा एक सप्ताह तक भारत के पूरब और पश्चिम की संस्कृतियों का ये मेल, ये माधवपुर मेला, एक भारत- श्रेष्ठ भारत की बहुत सुन्दर मिसाल बना रहा है। पीएम मोदी ने कहा, मेरा आपसे आग्रह है, आप भी इस मेले के बारे में पढ़ें और जानें।

पीएम मोदी ने जल संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मैं तो उस राज्य से आता हूं, जहां पानी की हमेशा बहुत कमी रही है। गुजरात में इन स्टेपवेल्स को वाव कहते हैं। गुजरात जैसे राज्य में वाव की बड़ी भूमिका रही है। इन कुओं या बावड़ियों के संरक्षण के लिए 'जल मंदिर योजना' ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। पूरे गुजरात में अनेकों बावड़ियों को पुनर्जीवित किया गया। इससे इन इलाकों में वाटर लेवेल को बढ़ाने में भी काफी मदद मिली। ऐसे ही अभियान आप भी स्थानीय स्तर पर चला सकते हैं। हमारे देश में जल संरक्षण, जल स्त्रोतों की सुरक्षा, सदियों से समाज के स्वभाव का हिस्सा रहा है। मुझे खुशी है कि देश में बहुत से लोगों ने को जिंदगी का मकसद ही बना दिया है।

पीएम मोदी ने अप्रैल में आने वाले पर्व का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि संयम और तप भी हमारे लिए पर्व ही है, इसलिए नवरात्र हमेशा से हम सभी के लिए बहुत विशेष रहा है। कुछ ही दिन बाद ही नवरात्र है। नवरात्र में हम व्रत-उपवास, शक्ति की साधना करते हैं, शक्ति की पूजा करते हैं, यानी हमारी परम्पराएं हमें उल्लास भी सिखाती हैं और संयम भी। हम सबको साथ लेकर अपने पर्व मनाएं, भारत की विविधता को सशक्त करें, सबकी यही कामना है।

पीएम मोदी ने कार्यक्रम में बाबा शिवानंद का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि हाल ही में संपन्न हुए पद्म पुरस्कारों में आपने बाबा शिवानंद को देखा ही होगा। 126 साल के बुजुर्ग की फुर्ती देखकर मेरी तरह हर कोई हैरान हो गया होगा और मैंने देखा पलक झपकते ही वो नंदी मुद्रा में प्रणाम करने लगे। मैंने भी बाबा शिवानंद जी को झुककर प्रणाम किया

वांग को खरी-खरी सुनाई, भारत ने सिलिगुड़ी में किया युद्धाभ्यास

-जयशंकर के मालदीव-श्रीलंका दौरे से चीन को लगा झटके पर झटका

-600 पैराटूपर्स ने हवा में लगाई छलांग, चिकन नेक पर चीन की नजर

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत ने बातचीत की मेज पर तो चीन को खरी-खरी सुना ही दी, सिलिगुड़ी में सैन्य अभ्यास से सख्त संदेश भी दे दिया। अचनाक दिल्ली दौरे पर आए चीनी विदेश मंत्री वांग यी को भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ कह दिया कि दोनों देशों के बीच रिश्ते तब तक सामान्य नहीं हो सकते, जब तक चीन की तरफ से सीमा पर तनाव खत्म नहीं किया जाएगा। जब वांग यी नई दिल्ली में थे, उस वक्त भारतीय सेनाके पैराटूपर्स सिलिगुड़ी में युद्धाभ्यास कर रहे थे। निश्चित रूप से चीन ने जयशंकर के जवाब और सेना के युद्धाभ्यास के संयुक्त संदेश को डिकोड कर लिया होगा। मानो चीन की तंद्रा तोड़ने के लिए इतना काफी नहीं था कि वांग यी को विदा करके जयशंकर मालदीव और श्रीलंका दौरे पर चल पड़े।

दिवालिया घोषित कर कुछ कंपनियों के प्रवर्तकों को बचा रही है केंद्र सरकार - कांग्रेस

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार पर भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड के जरिए दिवालिया घोषित कर कुछ कंपनियों के प्रवर्तकों को बचा रही है। पार्टी ने एमटेक समूह के दिवालियापन की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से जांच कराने की भी मांग की। कांग्रेस नेता संजय निरूपम ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार को एमटेक ऑटो के दिवालियापन की अर्नस्ट एंड यंग की ऑडिट रिपोर्ट के निष्कर्षों की जांच का आदेश देना चाहिए।

संजय निरूपम ने ऑडिट रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा, ''एमटेक समूह की कंपनियों ने 25,000 करोड़ रुपये का ऋण भारतीय बैंकों से लिया था। कंपनी को 1,500 करोड़ रुपये में बेच दिया गया। इसके प्रवर्तकों ने 7,500 करोड़ रुपये की संपत्ति को बट्टे खाते में डाल दिया और 12,500 करोड़ रुपये का कोष फर्जी कंपनियों में हस्तांतरित कर दिया।''

उन्होंने क

जन हितैषी

योगी की चुनौती

यूपी की सत्ता में एक बार फिर भाजपा की वापसी हो चुकी है, बतौर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उन्हें राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शपथ दिलाई। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कई राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री समेत बड़ी संख्या में विशेष अतिथि भी मौजूद रहे। यूपी में योगी की दोबारा ताजपोशी से कई इतिहास बदल गए और कई रिकॉर्ड टूट गए, इसके अलावा अंधविश्वास को भी गहरी चोट पहुंची है। मगर दोबारा सरकार बनाने के बाद भी योगी आदित्यनाथ के सामने कई सारी चुनौतियां होंगी। अब 2024 में लोकसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में हर कोई ये बात बखूबी जानता है कि देश की सत्ता की चाबी यूपी में ही है। उत्तर प्रदेश में जिस पार्टी का जादू चलता है वही सत्ता के सिंहासन तक पहुंचता है। किसानों के लिए मोदी सरकार योजनाएं भी चला रही हैं। मगर इसके बावजूद योगी सरकार के सामने किसानों को खुश रखने की चुनौती होगी। आगामी 2 सालों के भीतर किसानों के मुद्दों का समाधान करना बेहद जरूरी होगा। गन्ना किसान के नाम पर जो सियासत गरमाई उसको दरकिनार कर योगी ने दोबारा सरकार तो बना ली। मगर इसके बावजूद 2024 की चुनौती से पार पाने के लिए योगी के फैसले पर सभी किसानों की निगाहें टिकी होंगी। यूपी में किसानों के लिए बिजली और पानी का मुद्दा भी बड़ा होगा। बीते कुछ वक्त से यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की पहचान बुलडोजर बाबा के तौर पर की जाने लगी है। वजह शायद किसी को भी बताने की जरूरत नहीं है। योगी राज पार्ट-1 में गुंडों और माफियाओं के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई हुई। अतीक अहमद से लेकर आजम खान तक सभी के खिलाफ जोरदार कार्रवाई हुई। मुख्तार अंसारी के जेहन में तो योगी नाम का इस कदर खौफ दिखा कि वो यूपी छोड़कर पंजाब की जेल में शिफ्ट हो गया। योगी का नाम ही माफियाओं के लिए खौफ का पर्याय बन गया, लेकिन सत्ता में दोबारा वापसी के बाद योगी के सामने ये असल चुनौती होगी कि कैसे वो लगातार अपराधियों पर कार्रवाई कर सख्त छवि को बनाए रखें। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में विपक्ष ने आवारा पशुओं का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। आवारा सांड को चुनावी मुद्दा बना दिया गया जिससे योगी सरकार घिर गई। उत्तर प्रदेश में आवारा मवेशियों से किसानों को दोतरफा नुकसान होता है, क्योंकि वे खेतों में फसलों को नष्ट कर देते हैं, जबकि दूसरा नुकसान आर्थिक और सुरक्षा की दृष्टि से होता है। ग्रामीण उत्तर प्रदेश के नागरिकों को आवारा पशुओं से बचाने के लिए किसान को खेतों की बाड़ लगानी पड़ रही है। ऐसे में योगी के सामने अपने अगले कार्यकाल में इस समस्या से निपटने की चुनौती होगी। रोजगार की चुनौती चुनाव के दौरान विपक्ष ने युवा मतदाताओं को रिझाने के लिए बेरोजगारी का मुद्दा जोर-शोर से उठाया था। विपक्ष ने दावा किया कि पिछले पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश की रोजगार दर में गिरावट आई है। उत्तर प्रदेश में रोजगार के अवसर पैदा करना दूसरी पारी में योगी के सामने बड़ी चुनौती रहेगी। सरकारी नौकरियों के साथ-साथ चल रहे कोविड-19 महामारी के दौरान लोगों के लिए नए अवसर और रोजगार के अवसर पैदा करना योगी आदित्यनाथ के लिए किसी चुनौती से कम नहीं होगा। उत्तर प्रदेश में भाजपा के ग्राफ को ऊपर ले जाना उनके लिए एक बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि 2024 के आम चुनाव में पार्टी को इस राज्य से बड़ी उम्मीदें होंगी।

युवा पीढ़ी सोशल मीडिया और चिंतित अभिभावक

आधुनिक संचार क्रांति के युग में युवाओं की सोच रचनात्मक होने की अपेक्षा दूषित हो रही है। युवाओं की दिनचर्या में बदलाव आ गया है। प्रतिस्पर्धा एवं बढ़ती महंगाई के दौर में माता पिता की जिम्मेदारी बढ़ गई है।पति पत्नी दोनों नौकरी कर रहे हैं यह उनका शौक नही बल्कि परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आवश्यक हो गया है।

पति-पत्नी की व्यस्तता, बदलती जीवन शैली एवं नई सोच ने बालक, माता पिता संबंधों को दिशाहीन बना दिया है। पुराने जमाने की अपेक्षा आज अभिभावक बनना चुनौती पूर्ण कार्य हो गया है।

संयुक्त परिवार होते थे परिवार में 20 से 30 सदस्य साथ रहते थे, संयुक्त परिवार की परंपरा समाप्त हो गई है। एकल परिवार में माता पिता नौकरी करते हैं। परिवार में छोटा बच्चा है तो माता के नौकरी पर जाने की मजबूरी के चलते बच्चे को झूलाघर, नौकर अथवा आया के सहारे दिन भर छोड़ा जाता है। आर्थिक दृष्टि से नौकरी करना उनकी मजबूरी बन गयी है, परिवार में दादा-दादी,ताई-ताऊ,चाचा-चाची,भुआ साथ नहीं होते हैं।

आधुनिक संचार क्रांति के लगभग सभी उपकरण परिवार में बच्चों को उपलब्ध रहते है टी.व्ही., डेस्कटॉप, लैपटॉप, टेबलेट, मोबाइल आदि के साथ बचपन में बच्चों का अधिकांश समय व्यतीत होता है। आज के पालकों, अभिभावकों, माता-पिता की सबसे बड़ी चिंता है कैसे बच्चों को भटकने से बचाया जाये। समय की मांग है कि उन्हें लैपटॉप एवं मोबाइल दिया जाना चाहिए, छोटे छोटे बच्चे जिनकी उम्र दो या तीन वर्ष होती है वे भी जिद करके मोबाइल चलाते हैं। छोटे बच्चे मोबाइल पर कार्टून आँखें उड़ाकर देखते है, नई पीढ़ी की बचपन से ही नेत्र ज्योति कमजोर हो रही है। चश्मा लगाना मजबूरी हो गयी। बच्चे बड़े होकर कम्प्यूटर चलाते हैं, मगर माता-पिता यह नही समझ पाते कि उनका बच्चा कम्प्यूटर का उपयोग करते करते कब अश्लील गतिविधियों या गलत मित्रों के जाल में फंसकर गलत रास्ते पर बढ़ रहा है। सोशल नेट वर्किंग साइट्स या पोर्न साइट्स देखना वहुत आसान है।माता-पिता सोचते हैं शांति है बच्चे कम्प्यूटर से ज्ञान अर्जित कर रहे हैं। माता-पिता को पता नहीं चलता बच्चे छिपकर कुछ और ही कर रहे हैं।

इंटरनेट पर सोशल साइट्स के युवाओं द्वारा उपयोग करने से साइबर अपराध अथवा बुलिंग के प्रकरण बढ़ रहे हैं। एक सर्वेक्षण में अनेक तथ्य प्रकाश में आये हैं। केवल 23ः पालकों ने स्वीकार किया कि उनके बच्चे सोशल साइट्स देखते हैं। जबकि 53ः बच्चों ने स्वीकार किया कि वे ऐसी साइट्स नियमित रूप से देखते हैं। 1500 भारतीय अभिभावकों व किशोरों पर किये गये गोपनीय सर्वे के अनुसार 20ः किशोरों ने स्वीकार किया कि वे एक दिन में कई पोर्न साइट्स देखते हैं। 70ः अभिभावकों ने पूरे विश्वास से कहा उनके किशोर बच्चे ऑन लाइन क्या कर रहे हैं, इसकी पूरी जानकारी उन्हें देते हैं। जबकि 58ः किशोरों ने कहा वे अपने अभिभावकों से ऑन-

लाइन गतिविधियों की जानकारी छुपाते हैं।

मेरे एक मित्र ने नाम न बताने की शर्त पर मुझे जानकारी दी उनकी 15 वर्षीय बिटिया घर से बाहर जाने एवं मित्रों से मिलने से कतराने लगी, पहले उन्होंने ध्यान नहीं दिया, एक दिन सुबह उसकी आँखों पर सूजन देखकर चिंतित हुए, बेटी रोते रोते घबरा गई। उन्होंने ने मनोचिकित्सक को बुलाया। मनोचिकित्सक के बार-बार समझाने पर उसने बताया कोई अनजान व्यक्ति उसे अश्लील ई-मेल भेज रहा है और धमकी भरे कॉल कर निरंतर परेशान कर रहा है। उन्होंने ने बेटी का ई-मेल पता बदला तब कई महिनों बाद बेटी सामान्य हुई।

एक अन्तर्राष्ट्रीय कंपनी द्वारा कराये गये सर्वे के अनुसार चीन, सिंगापुर के बाद भारत में साइबर बुलिंग की घटनाएं सबसे ज्यादा हो रही हैं। बाल अपराध भी तीव्र गति से बढ़ रहे हैं। छोटे छोटे बच्चे बलात्कार, हत्या, धोखाधड़ी, लूटमार के मामलों में फंस रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार हर वर्ष 95 हजार से एक लाख बाल अपराधी पकड़े जाते है। जिनमें 35 से 40 हजार लड़के और लगभग 2 से 4 हजार लड़कियाँ होती हैं। 20-25 वर्ष पहले तक बच्चे घर से बाहर मैदान या पार्क में खेलने जाते थे। साइकिल आदि चलाते थे, व्यायाम आदि शारीरक गतिविधियों में व्यस्त रहते थे। मगर अब सब परिवर्तन हो गया है। बच्चे टी.व्ही.,इंटरनेट, वीडियो गेम में व्यस्त हो जाते हैं। तीव्र गति से बढ़ रहे आधुनिक प्रौद्योगिक साधनों से बढ़ती उम्र के वच्चों पर विपरीत प्रभाव हो रहा है। बच्चों में शारीरक मनोवैज्ञानिक, अव्यवहारिक असामान्यताएं बढ़ रही है।

एक प्रसिद्ध रिसर्च कंपनी द्वारा ने 18 हजार वरिष्ठजनों जिनमें 6500 पालक, अभिभावक थे सर्वे किया। रिपोर्ट के अनुसार सबसे ज्यादा साइबर बुलिंग सोशल नेटवर्किंग साइट्स जैसे फेस बुक आदि पर होती है। 32ः भारतीय अभिभावकों ने स्वीकार किया कि उनके बच्चों के साथ साइबर बुलिंग हो चुकी है। वर्तमान में पालकों

माता-पिता, अभिभावकों को पता है उनके बच्चे साइबर बुलिंग के शिकार हो रहे हैं, अथवा हो गये हैं, वे इसको रोकने, अपने बच्चों को सही मार्ग पर लाने सुनियोजित प्रयास नहीं कर पा रहे हैं। इस सबका दुष्परिणाम यह हो रहा है युवा पीढ़ी का जीवन दिशाहीन हो रहा है अथवा अवसाद डिप्रेशन

में है। यहाँ कुछ ऐसे उपाय सुझाने का प्रयास कर रहे हैं जिनसे पीड़ित को सही मार्ग पर लाया जा सकता है। आपको पता चले कि आपका बेटा या बेटी पोर्न फिल्में देखता है अथवा अश्लील साइट्स देखता है, उसे भूलकर भी न डाटें,उसे अन्य कार्यों में व्यस्त करने का प्रयास करें। बच्चे को एक बार मनोवैज्ञानिक चिकित्सक से अवश्य मिलाये। उसके मित्रों का पता रखें तथा यह ध्यान रखें कहाँ जा रहा है। किन किन से मिल रहा है। बच्चे का डाटना बंद करें। दूसरे बच्चों से अपने बच्चे किया तुलना न करें

इस कार्य से वच्चे के मन में हीन भावना आती है।

बचपन से ही बच्चे को क्षमायाचना, साँरी,थैंक्यू, धन्यवाद जैसे शब्द बोलने की आदत डालें। बच्चों को आत्मनिर्भर बनना सिखाये। बच्चों को ज्ञान प्राप्त करने के लिये लैपटॉप, मोबाइल के साथ साथ पत्र पत्रिकाएं पढ़ने की आदत डालें। (लेखक-- विजय कुमार जैन /ईएमएस)

अपनों के निशाने पर कांग्रेस पार्टी

पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस पार्टी अपने ही नेताओं के निशाने पर आ गई है। जी-23 ग्रुप के नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने तो सीधे गांधी परिवार पर हमला करते हुए उन्हें पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देकर दूसरे किसी कांग्रेस जन को कांग्रेस अध्यक्ष बनाने तक की मांग कर डाली है। कपिल सिब्बल के बाद बहुत से नेताओं ने भी पार्टी संगठन में आमूलचूल बदलाव की मांग की है। कांग्रेस पार्टी इस समय अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। कांग्रेस पार्टी दो बार लोकसभा तथा राज्यों के विधानसभा चुनाव में लगातार हारती जा रही है।

हाल ही में कांग्रेस पार्टी को उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा व मणिपुर में बहुत बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े प्रांत में तो कांग्रेस का सूपड़ा ही साफ हो गया है। 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद जहां भाजपा का प्रदर्शन लगातार अच्छा होता जा रहा है। वही कांग्रेस दिनों दिन कमजोर होती जा रही है। कुछ दिनों पूर्व संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस महज दो सीटें ही जीत सकी है। जबकि 2017 में कांग्रेस 7 सीटों पर विजय हुई थी। इस बार कांग्रेस को 21 लाख 51 हजार 234 वोट मिले जो पिछली बार 54 लाख 16 हजार 540 वोटों की तुलना में 32 लाख 65 हजार 306 वोट यानी 3.92 प्रतिशत कम मिले हैं। इस बार कांग्रेस 397 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जबकि पिछली बार समाजवादी पार्टी से समझौता होने के चलते महज 114 सीटों पर ही चुनाव लड़ पाई थी।

उत्तराखंड में कांग्रेस 70 में से 19 सीटें ही जीत पाई है। जबकि इस बार कांग्रेस को सबसे अधिक विश्वास उत्तराखंड में सरकार बनाने का था। मगर वहां 4.40 प्रतिशत वोट बढ़ने के बावजूद भी कांग्रेस सरकार बनाने से बहुत पीछे रह गई। इतना ही नहीं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत इस बार भी लालकुआं विधानसभा सीट से भाजपा के डॉ मोहन सिंह बिष्ट से करीब 17 हजार वोटों से चुनाव हार गए। 2017 में भी हरीश रावत मुख्यमंत्री रहते दो विधानसभा सीटों से चुनाव हार गए थे।

कांग्रेस को सबसे बुरी स्थिति का पंजाब में सामना करना पड़ा है। यहां कांग्रेस महज 18 सीटों पर ही सिमट कर रह गई। उसे 59 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है। कांग्रेस का वोट प्रतिशत भी घटकर 22.98 प्रतिशत रह गया है। जो पिछली बार की तुलना में 15.66 प्रतिशत कम है। कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री रहे चरणजीत सिंह चन्नी दोनों विधानसभा सीटों चमकौर साहिब व भदौड़ से तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू अमृतसर पूर्व सीट से चुनाव हार गए हैं। इसके अलावा कांग्रेस के अधिकांश मंत्री व बड़े नेता चुनाव हार गए हैं। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के बाद पंजाब में भी कांग्रेस से सत्ता छीन ली है।

राजनीति के जानकार गोवा विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस की सरकार बनने के कयास लगा रहे थे। लोगों का मानना था कि लगातार 15 साल से सत्ता में रहने के कारण भाजपा के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर व्याप्त हो रही थी। जिसका लाभ कांग्रेस को मिलता नजर आ रहा था। मगर चुनाव परिणामों में कांग्रेस बुरी तरह पिछड़ गई। कांग्रेस को 40 में से महज 11 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। 20 सीटें जीतकर भाजपा फिर सरकार बनाने जा रही है। गोवा विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस पार्टी को पिछली बार की तुलना में 6 सीटों का व 4.58 प्रतिशत वोटों का घाटा उठाना पड़ा है। गोवा के मतदाताओं ने कांग्रेस की पिछली बार की गलती को माफ नहीं किया है। रही सही कसर वहां आम आदमी पार्टी व तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशियों ने कांग्रेस के वोट काटकर पूरी कर दी। गोवा में तो लगता है कि कांग्रेस में आने वाले समय में कोई बड़ा नेता नहीं बचेगा। वहां आप, तृणमूल कांग्रेस व भाजपा की नजर कांग्रेस के नेताओं को तोड़कर अपने पाले में लाने पर लगी हुई है।

मणिपुर विधानसभा के चुनाव में भी कांग्रेस बहुत कमजोर स्थिति में आ गई है। इस बार कांग्रेस महज 5 सीटें ही जीत पाई है। जबकि पिछली बार उसने 28 सीटों पर चुनाव जीता था। पिछली बार की तुलना में वहां कांग्रेस को 18.17 प्रतिशत वोट भी कम मिले हैं। उत्तर पूर्व के सभी आठों राज्यों में कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई है।

2014 में लोकसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस केंद्र की सत्ता से बाहर हो गई थी। फिर 2019 के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस हार गई थी। इसके साथ ही राज्य विधानसभाओं के चुनाव में भी कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। 2018 जरूर कांग्रेस के लिए कुछ अच्छा रहा। इस वर्ष कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान में अपनी सरकार बनाई। मगर पार्टी में नेताओं की आपसी गुटबाजी के चलते कर्नाटक व मध्य प्रदेश में भाजपा ने कांग्रेस में दलबदल करवा कर अपनी सरकार बनवा ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री व मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ अपने साथी विधायकों को संतुष्ट नहीं कर पाए। जिसके चलते उन्हें सत्ता गंवानी पड़ी।

अभी राजस्थान व छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार चल रही है। महाराष्ट्र व झारखंड में कांग्रेस गठबंधन सरकार में शामिल है। कभी पूरे देश पर एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस आज महज दो- चार प्रदेशों तक ही सिमट कर रह गई है। कांग्रेस के बड़े नेता जितिन प्रसाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया, कैप्टन अमरिंदर सिंह, सुष्मिता देव, लुइजिन्हो फलेयरो, आर पी एन सिंह, आदिति सिंह ने कांग्रेस छोड़ दी है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद आयोजित कांग्रेस कार्यसमिति की मीटिंग में रश्मि तौर पर तो सभी ने गांधी परिवार पर भरोसा जताया। सोनिया गांधी को पद बने रहने का प्रस्ताव पास कर दिया था। मगर पार्टी के अंदर खाने लोगों में बदलाव की मांग तेज होती जा रही है। बहुत से वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष गांधी परिवार से बाहर के व्यक्ति को बनाने की मांग कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में 397 सीटो पर चुनाव लड़ने पर कांग्रेस को महज 2.33 प्रतिशत वोट मिले। जबकि मात्र 34 सीटों पर चुनाव लड़ने वाले राष्ट्रीय लोकदल को कांग्रेस से अधिक 2.85 प्रतिशत वोट मिले हैं। उत्तर प्रदेश से लोकसभा की 80 सीटें आती हैं। वहां कांग्रेस का महज दो सीटों पर सिमट जाना पार्टी के लिए चिंतन मनन का विषय है। जबकि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी पिछले तीन वर्षों से उत्तर प्रदेश में लगातार पार्टी को मजबूत करने में लगी हुई है। उनका पूरा फोकस उत्तर प्रदेश पर ही रहा है। पंजाब में ऐन चुनाव से पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाकर चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाना कांग्रेस के लिये आत्मघाती कदम साबित हुआ।

पार्टी द्धारा नियुक्त प्रदेश प्रभारियों का खूब विरोध हो रहा है। अधिकांश प्रभारी ऐसे नेताओं को लगाया गया है जो स्वंय कई चुनाव हार चुके हैं। ऐसे नेता जो खुद चुनाव नहीं जीत सकते वो संगठन को कैसे मजबूत करेगें यह ज्वलंत सवाल है। हरियाणा में सिटींग विधायक रहते विधायक का चुनाव हारने वाले रणदीप सिंह सुरजेवाला के पास पार्टी के कई बड़े पद हैं। विवादों के चलते राजस्थान के प्रभारी महासचिव के पद से हटाये गये अविनाश पांडे को फिर से महासचिव व झारखंड का प्रभारी बना दिया गया हैं। दिल्ली में कांग्रेस का सफाया करने वाले अजय माकन पार्टी के महासचिव व राजस्थान के प्रभारी बने हुये हैं। माकन ही पंजाब में कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष थे जिन पर काफी आरोप लगे हैं। केरल के केसी वेणुगोपाल संगठन महासचिव के रूप में पूरी पार्टी को चला रहें हैं।

मौजूदा समय में कांग्रेस पार्टी में बड़े बदलाव की जरूरत है। राजस्थान व छत्तीसगढ़ जहां कांग्रेस की सरकार चल रही है। वहां के मुख्यमंत्रियों के खिलाफ कांग्रेसी विधायकों में व्याप्त असंतोष को भी पार्टी आलाकमान को समय रहते समाप्त करवाना चाहिए। वरना 2023 के विधानसभा चुनाव में वहां भी कांग्रेस को बड़ा घाटा उठाना पड़ सकता है। कांग्रेस में जनाधार वाले नेताओं को आगे लेने पर ही आगे कुछ उम्मीद की जा सकेगी। (लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा/ईएमएस)

भारत-दुबई घनिष्टता के नए आयाम

कल रात ही मैं दुबई पहुंचा और आज सुबह मैंने यह खुश खबर पढ़ी कि दुबई की कुल 160 सेवाओं में से भारत के लिए 100 सेवाओं के द्वार खोल दिए गए हैं। कुछ दिन पहले हमारे व्यापार मंत्री पीयूष गोयल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) आए थे और उन्होंने यहां के नेताओं से बातचीत करके यह समझौता किया था। अब यहां भारतीय नर्सों, इंजीनियरों, सूचना-विशेषज्ञों आदि तरह-तरह के व्यावसायिक विशेषज्ञों को काम करने की सुविधा मिलेगी। इसका नतीजा यह होगा कि भारत के लाखों सुयोग्य नौजवानों को अपनी योग्यता को परखाने का मौका मिलेगा। यदि वे दुबई और अबू धाबी में अपना सिक्का जमाएंगे तो उसकी खनक सारे अरब और अफ्रीकी देशों में भी होगी। इस समय भारत के माल को अरब और अफ्रीका के देशों में खपाने का सबसे बड़ा केंद्र यूएई ही है। भारत की कोशिश है कि 'गल्फ कोऑपरेशन कौंसिल' के साथ भी वह कुछ इसी तरह के समझौते कर ले तो सउदी अरब, ओमान, बहरीन, कुवैत और क़तर जैसे देशों के साथ उसके व्यापारिक और आर्थिक संबंध घनिष्ट हो सकते हैं। इस समय यूएई के साथ भारत का व्यापार 60 बिलियन डॉलर का है। अगले पांच वर्षों में यह दुगुना हो सकता है। दुबई से भारतीय माल बड़े पैमाने पर पाकिस्तान को भेजा जाता है। भारत-पाक व्यापार आजकल लगभग ठप्प है लेकिन पाकिस्तान के गांवों में भी यदि आप चले जाएं तो भारतीय चीजें वहां दनदनाती हुई दिखाई पड़ती हैं। दुबई को भारत से आनेवाला माल लगभग करमुक्त हो जाएगा। संयुक्त अरब अमीरात में आप कहीं भी चले जाइए, आपको ऐसा लगेगा कि आप भारत में ही हैं। यहां लगभग 35 लाख भारतीय रहते हैं। इस देश की एक तिहाई आबादी इसके बाजारों, अस्पतालों और होटलों में भारतीयों की ही दिखाई पड़ती है। अब दोनों देशों के संबंध इतने घनिष्ट होते जा रहे हैं कि ये द्विपक्षीय संबंध दुनिया के सारे मुस्लिम देशों से आगे निकल गए हैं। कश्मीर में पैसा लगाने की पहल यूएई कर रहा है। यदि कश्मीर में एक इस्लामी देश का विनिवेश बढ़ेगा तो क्या यह पाकिस्तान के घावों पर नमक छिड़कना सिद्ध नहीं होगा? लेकिन हमारे कश्मीरियों के लिए यह विनिवेश शहद से भी ज्यादा मीठा होगा। यहां मैं जिस भारत-यूएई सम्मेलन की आज अध्यक्ष करुंगा, उसमें दोनों देशों के सैकड़ों नेता, उद्योगपति, पत्रकार आदि भाग लेंगे। यूएई एक आदर्श और आधुनिक इस्लाम राष्ट्र बनता जा रहा है। भारत के साथ उसकी दोस्ती इस्लाम की छवि को सारी दुनिया में चमकाने का काम करेगी। (लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

आज का इतिहास 28 मार्च

1507 फ्रांस के लुई 12 वें के आगे जेनोआ 'इटली' ने हथियार डाल दिये.
1801 फ्रांस और नेपल्स के बीच शांति संधि हुई.
1854 ब्रिटेन ने रूस के खिलाफ जंग का ऐलान किया.
1898 जर्मनी ने अपनी नौसेना का व्यापक विस्तार शुरू किया.
1938 जापान ने नानकिंग में कठपुतली सरकार का गठन किया.
1939 स्पेनी ग्रहयुद्ध में मैड्रिक ने जनरल फ्रांसिस्को फ्रैको के आगे हथियार डाल दिये.
1941 नेताजी सुभाषचंद्र बोस बर्लिन पहुंचे.
1945 द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी ने वी-2 राकेट से ब्रिटेन पर हमला किया.
1945 अमेरिका ने सेबू,फिलीपींस पर हमला किया.
1947 ब्रिटेन ने साइप्रस छोड़कर कहीं भी जाने की शर्त पर आर्कबिशप मकारियोस को रिहा किया.
1974 इथोपिया में देशभर में असंतोष के कारण सरकार भी निष्प्रभाव हो गई.
1986 होंडुराम के साथ युद्ध में निकारुगुवा ने बड़ी संख्या में सैनिक भेजे.
1997 दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला की भारत यात्रा.
1997 बंगाल की प्रख्यात लेखिका महाश्वेता देवी को ज्ञानपीठ पुरस्कार.
2000 धारावाहिक मोस्ट वांटेड के निर्माता सुहेब इलियासी को पुलिस ने उनकी पत्नी की दहेज हत्या के आरोप पर गरिफ्तार किया.
2005 उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में जहरीली शराब से 13 लोग मरे.
2007 विश्व के सबसे लंबे व्यक्ति चीन के बाओ चिशुन (7 फीट 9 इंच) का विवाह जिया शुजान नामक युवती से हुआ.

दैनिक पंचांग

28 मार्च 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.51 बजे से
चंद्र	मकर में	वृष	08.32 बजे से
मंगल	मकर में	मिथुन	10.30 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.43 बजे से
गुरु	कुंभ में	सिंह	14.59 बजे से
शुक्र	मकर में	कन्या	17.11 बजे से
शनि	मकर में	तुला	19.22 बजे से
राहु	वृष में	वृश्चिक	21.36 ब.से
केतु	वृश्चिक में	धनु	23.53 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मकर	01.58 बजे से
		कुंभ	03.44 बजे से
		मीन	05.17 बजे से

सोमवार 2022 वर्ष का 87 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1944
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन)
पक्ष कृष्ण **तिथि** एकादशी 16.16 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 12.24 बजे को समाप्त। **योग** सिद्ध 17.39 बजे को समाप्त। **करण** बालव 16.16 बजे तदनन्तर कौलव 03.25 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 02° 54'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871201
जूलियन दिन 2459666.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सावान
तारीख 24
विशेष पापमोचिनी एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7238

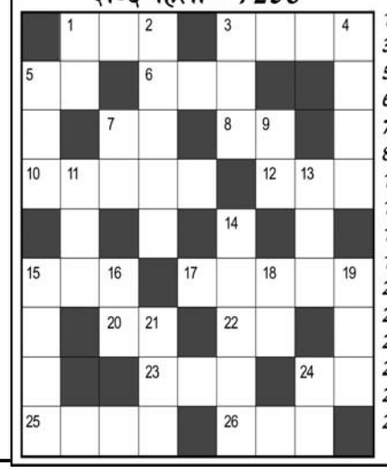

बाएँ से दाएँ
1.कंठ,गला-3
3.पक्षियों का शौर-4
5.शारीरिक ऊँचाई-2
6.पाचन शक्ति-3
7.मां की माता-2
8.प्यार,प्रेम(अंग्रेजी-2)
10.रचना करने वाला-5
12.शोरबा,तरी-3
15.खाद्य सामग्री-3
17.दोनों हाथों को पीटना-5
20.भाग्य(अंग्रेजी-2)
22.कदली,एक फल-2
23.उपासना,शीश झुकाना-3
24.घ्राणेन्द्रिय,नासिका-2
25.तहखाना-4
26.दया-3

ऊपर से नीचे
1.मर्यादा,सीमा-2
2.कहानी लिखने वाला-5
3.अचरज भरा कार्य-3
4.वर,इच्छित वस्तु देना-4
5.जलजला-3
7.मां के पिता-2
9.चिकनाई-2
11.हशीश,एक प्रकार का मादक पदार्थ-3
13.बोलने का तरीका-3
14.तमीजवाला-5
15.परंपरा,रिवाज-4
16.राजनीतिक पार्टी-2
18.आफत,मुसीबत-2
19.नाट्य,कथा मंचन-3
21.कमी-3
24.संबोधन-2

शब्द पहेली - 7237 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

पंजाब ने बैंगलोर के खिलाफ दर्ज की बड़ी जीत, हासिल किया 206 रन का विशाल लक्ष्य

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन के पहले डबल हेडल में रविवार शाम रायल चैंलेंजर्स बैंगलोर का सामना पंजाब किंग्स से हुआ। मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पंजाब के कप्तान मयंक अग्रवाल ने टास जीतकर बैंगलोर के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। बैंगलोर ने कप्तान डु प्लेसिस के धमाकेदार अर्धशतक और कार्तिक की तेज बल्लेबाज के दम पर 20 ओवर में 2 विकेट पर 205 रन बनाने में कामयाब रहा। ओडीन स्मिथ के आखिर में खेली तूफानी 8 गेंद पर 25 रन की नाबाद पारी के दम पर पंजाब ने 19 ओवर में 5 विकेट पर 208 रन बना जीत दर्ज की।

आरसीबी की तरफ से बनाए गए विशाल स्कोर का पीछा करने कप्तान मयंक अग्रवाल और अनुभवी शिखर धवन की जोड़ी पारी की शुरुआत करने उतरी। इन दोनों ही बल्लेबाजों ने महज 5वें ओवर में ही टीम को पचास रन के पार पहुंचा दिया। पावरप्ले में मयंक और धवन ने मिलकर टीम के लिए बिना विकेट गंवाए 63 रन जोड़े। वनिंदु हसारंगा ने अपने पहले ओवर की पहली गेंद पर आते ही विकेट चटकाया। मयंक को 32 रन के स्कोर पर शाहबाज ने शानदार कैच लेकर उनको वापस भेजा।

शिखर धवन के 29 गेंद पर 41 रन की पारी को हर्षल पटेल ने अनुज रावत के हाथों कैच करवा खत्म किया। धमाकेदार बल्लेबाजी कर रहे भानुका राजपक्षे को मोहम्मद सिराज ने शाहबाज के हाथों कैच करवाया। 22 गेंद पर 4 छक्के और 2 चौके की मदद से 43 रन बनाकर वापस लौटे। इसके ठीक बार अंडर 19 स्टार राज बावा अगली ही गेंद पर एलबी डब्यू हो गए। तेज पारी खेल रहे लियाम लिविंग्स्टोन को आकाशदीप ने अनुज रावत के हाथों कैच करवाया।

इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन के पहले मैच में बैंगलोर और पंजाब का सामना हुआ। कप्तान डु प्लेसिस के पचास के दम पर बैंगलोर ने 2 विकेट पर 205 रन बनाए। पंजाब ने तूफानी बल्लेबाजी के दम पर 19 वें ओवर में जीत हासिल की। ओडीन स्मिथ ने आते ही बड़े शाट

31 मार्च तक कर लें 8 जरूरी काम, नहीं तो होगी परेशानी

नई दिल्ली (ईएमएस)। मौजूदा वित्त वर्ष 2021-22 कुछ ही दिन में समाप्त होने वाला है। अगर आप 31 मार्च तक इन कामों को पूरा नहीं करते हैं, तो आपको परेशानी हो सकती है। इन कार्यों में पैन को आधार से लिंक कराने, रिवाइज्ड आईटीआर भरने, टैक्स बचाने के लिए निवेश करने, केवाईसी पूरा करने और म्यूचुअल फंड को आधार से लिंक कराने जैसे कार्य शामिल हैं। पिछले दो वर्षों के दौरान कोरोना महामारी का प्रकोप रहने के चलते कई वित्तीय कार्यों की समय सीमा को बढ़ाया गया था। इनमें से कुछ की आखिरी तारीख इस महीने खत्म हो रही है। इन समय सीमाओं के और आगे बढ़ने की गुंजाइश बहुत कम हैं। 31 मार्च तक ?निम्न?लि?खित वित्तीय कार्यों को कर लेना जरुरी है-

1. पैन कार्ड को आधार से करा लें लिंकः पैन कार्ड को आधार से लिंक कराने की आखिरी तारीख को सरकार ने बढ़ाकर 31 मार्च 2022 किया हुआ है। अगर आपने अभी तक भी अपने पैन कार्ड को आधार से लिंक नहीं कराया है, तो अवश्य करा लें। नहीं तो आपका पैन कार्ड निष्क्रिय हो जाएगा। निष्क्रिय पैन कार्ड का बैंकिंग कार्यों में उपयोग करते हैं, तो आप पर जुर्माना भी लग सकता है।

2. करा लें बैंक खाते की केवाईसीः भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंक खाते की केवाईसी पूरा करने की समससीमा बढ़ाकर 31 मार्च, 2022 की हुई है। ग्राहकों को केवाईसी के लिए अपना पैन कार्ड, पता, पासपोर्ट या अन्य दस्तावेज इस महीने की आखिरी तारीख तक अपडेट करने होंगे। ग्राहकों को अपनी हाल की तस्वीर और मांगी गई अन्य जानकारियां भी अपडेट करनी होगी।

3. दाखिल कर दें संशोधित आईटीआरः आयकर विभाग ने आईटीआर भरने की समयसीमा 31 दिसंबर 2021 तय की थी। लेकिन आप अगर तय समयसीमा तक भी आयकर रिटर्न नहीं भर पाए, तो आप 31 मार्च, 2022 तक विलंबित आईटीआर दाखिल कर सकते हैं।

4. म्युचुअल फंड को करा लें आधार से लिंकः साल 2017 में पीएमएलए के नियमों में बदलाव किया गया था। इसके तहत एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को लोगों के आधार नंबर को अपडेट करना होगा और इसे यूआईडीएआई से वैलिडेट करना होगा। इस तरह सभी म्युचुअल फंड्स को आधार से जोड़ना जरूरी है। ऑनलाइन, ऑफलाइन, एसएमएस और ईमेल के माध्यम से आधार को म्युचुअल फंड्स के साथ लिंक कराया जा सकता है।

5. करें टैक्स बचाने के लिए निवेशः अगर आपने वित्त वर्ष 2021-22 में कुछ टैक्स फ्री निवेश की योजना बनाई है, लेकिन अभी निवेश नहीं किया है, तो इस महीने की आखिरी तारीख तक कर लें। अगर आप 31 मार्च 2022 के बाद निवेश करेंगे तो तो वह निवेश अगले साल यानी वित्त वर्ष 2022-23 में गिना जाएगा। ऐसे में आपको उस निवेश पर टैक्स छूट का फायदा अगले साल ही मिलेगा।

6. पीपीएफ, एनपीएस और एसएसवाय खाताधारक कर लें ये कामः पोस्ट ऑफिस की योजनाओं में अगर आपका खाता है तो यह महीना खत्म होने से पहले आपको एक जरूरी काम करना होगा। आपका पब्लिक प्रॉविडेंट फंड, सुकन्या समृद्धि योजना और नेशनल पेंशन स्कीम में खाता है और आपने चालू वित्त वर्ष में अभी तक इन खातों में कोई राशि जमा नहीं कराई है, तो 31 मार्च तक करा लें। आपको 31 मार्च तक इन खातों में न्यूनतम जरूरी राशि जमा करानी होगी। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आपके ये खाते इनएक्टिव हो जाएंगे और आपको इन खातों को दोबारा एक्टिव करवाने के लिए जुर्माना देना पड़ेगा।

7. पीएम किसान योजना में केवाईसीः सरकार जल्द ही पीएम किसान योजना की 11वीं किस्त जारी करने वाली है। यह किस्त अप्रैल के पहले हफ्ते में जारी हो सकती है। अगर आप भी योजना में रजिस्टर्ड पात्र किसान हैं और इस किस्त का लाभ लेना चाहते हैं, तो केवाईसी जरूर अपडेट करा लें। पीएम किसान योजना में केवाईसी अपडेट कराने की आखिरी तारीख 31 मार्च है। आप ऑनलाइन ईकेवाईसी भी करा सकते हैं।

8. पीएम आवास की सब्सिडी पाना चाहते हैं तो कर लें यह कामः आवास और गरीबी उन्मूलन मंत्रालय ने साल 2015 में प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना की शुरुआत की थी। इस योजना का नाम हाउसिंज फॉर ऑल रखा गया था। इस योजना का इस समय तीसरा और आखिरी चरण चल रहा है। यह चरण इस महीने की आखिरी तारीख 31 मार्च को पूरा हो जाएगा। ऐसे में अगर आप पीएम आवास योजना का फायदा उठाना चाहते हैं, तो आपके लिए यह आखिरी मौका है।

भारतीय उपभोक्ता बरत रहे हैं सतर्कता, बचत पर दे रहे हैं ध्यानः रिपोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय उपभोक्ता सतर्कता बरत रहे हैं और भविष्य के लिए अधिक बचत कर रहे हैं। साथ ही वे गैर जरूरी खर्च को संतुलित करने का प्रयास कर रहे हैं। यह बात एक रिपोर्ट में कही गई है। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय अपनी खरीदारी, मनोरंजन और 'शौक' पर अपने खर्च की प्राथमिकता तय कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सर्वे में शामिल उपभोक्ता व्यक्तिगत देखभाल और कपड़ों, शौकियां गतिविधियों, मनोरंजन और यात्राओं पर खर्च करने की तैयारी कर रहे हैं। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स, घर का साजोसामान और रेस्तरां का नंबर आता है। रिपोर्ट कहती है कि विश्लेषण से पता चलता है कि उपभोक्ताओं में अब धारणा सकारात्मक हो रही है। वे सतर्कता से अपनी खुशियों और खर्च के बीच संतुलन बैठाने का प्रयास कर रहे हैं और भविष्य के लिए अधिक बचत कर रहे हैं। कॉरपोरेट भारत में अब चीजें सामान्य हो रही हैं और यात्रा अंकुश हट रहे हैं। ऐसे में भारतीय कारोबारी यात्रा की तैयारियां कर रहे हैं। सर्वे के अनुसार करीब 83 प्रतिशत भारतीयों के अगले तीन माह के दौरान कारोबारी यात्रा पर जाने की उम्मीद है। सर्वे में शामिल ज्यादातर उपभोक्ता अगले तीन साल के दौरान अपनी वित्तीय स्थिति को लेकर आशान्वित नजर आए।

फोन कॉल से पहले कोरोना से जुड़ा संदेश हटाने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार अब कॉलिंग से पहले कोविड-19 संदेशों को खत्म करने पर विचार कर रही है। सरकार को कई ऐसे आवेदन मिले हैं, इसमें कहा गया है कि ये संदेश अपने उद्देश्य को पूरा कर चुके हैं और कई बार आपात स्थिति के दौरान कॉल में देरी होती है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि दूरसंचार विभाग ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को पत्र लिखकर कॉल के पहले की इन घोषणाओं और कॉलर टयून को हटाने का अनुरोध किया है। उसने सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के साथ-साथ मोबाइल ग्राहकों से प्राप्त आवेदनों का हवाला दिया है।

एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, स्वास्थ्य मंत्रालय अब देश में महामारी की स्थिति में सुधार को देखते हुए इन ऑडियो क्लिप को हटाने पर विचार कर रहा है, जबकि महामारी के खिलाफ सुरक्षा उपायों के बारे में जन जागरूकता फैलाने के अन्य उपाय जारी रहेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों के बाद दूरसंचार सेवा कंपनियों को कॉल से पहले कोविड-19 संबंधी घोषणाओं और कॉलर टयून को लागू करने के निर्देश जारी किए गए थे। जागरूकता फैलाने और उन्हें महामारी के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और टीकाकरण के बारे में बताने के लिए कोरोना वायरस से संबंधित घोषणाएं और कॉलर टयून कॉल से पहले बजाए जाते हैं।

दूरसंचार विभाग ने एक पत्र में कहा, 'लगभग 21 महीने के बाद इन घोषणाओं ने नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य को पूरा किया है और अब इनकी कोई प्रासंगिकता नहीं है। नेटवर्क पर इन संदेश के परिणामस्वरूप इमरजेंसी के दौरान महत्वपूर्ण कॉल को रोके रखने और देरी होने का जोखिम रहता है और कीमती बैंडविड्थ संसाधनों की खपत होती है। यह टीएसपी नेटवर्क पर बोझ बढ़ाता है और इससे कॉल कनेक्शन में देरी होती है। यह ग्राहकों के अनुभव को भी प्रभावित करता है, क्योंकि आपात स्थिति में कई बार कॉल में देरी हो जाती है। रिंग बैक टोन को निष्क्रिय करने का भी अनुरोध किया गया है।

वाहनों के फिटनेस टेस्ट हेतु स्वचालित टेस्टिंग स्टेशन बनाने से जुड़े नियम और शर्तों में बदलाव का फैसला

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने वाहनों की फिटनेस जांच को आसान बनाने के लिए स्वचालित टेस्टिंग स्टेशन बनाने से जुड़े नियम और शर्तों में बदलाव का फैसला किया है। नए नियमों के तहत वाहन मालिक अपनी गाड़ियों का किसी भी राज्य में रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे, फिर चाहे पंजीकरण किसी भी राज्य में क्यों न हुआ हो। सरकार ने वाहनों की समयसीमा खत्म होने या उन्हें सड़क पर दौड़ाने के अयोग्य घोषित करने के नियमों में भी बदलाव किया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एक बयान में ये जानकारी दी है। मंत्रालय ने कहा कि उसने 25 मार्च 2022 को एक ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी किया है।

इसके तहत कई बदलाव किए गए हैं। इसमें ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशनों की मान्यता, लाइसेंसिंग और नियंत्रण से जुड़े नियम, शर्तों को बदला गया है। इसके तहत फिटनेस टेस्टिंग स्टेशनों की स्थापना से जुड़े नियमों को आसान बनाया गया है।

वैश्विक रुख से तय होगी शेयर बाजारों की दिशाः विशेषज्ञ

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस-यूक्रेन संघर्ष, मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान तथा कच्चे तेल की ऊंची कीमतों की वजह से इस सप्ताह शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव रहने के आसार है। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति-पक्ष की चिंताएं निवेशकों की धारणा को प्रभावित करती रहेंगी। ?विशेषज्ञों ने कहा ?कि इस सप्ताह मार्च के वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) अनुबंधों का निपटान है, जिससे बाजार के दायरे के बारे में दिशा मिलेगी। वैश्विक बाजारों में भी अब सुधार और कुछ स्थिरता दिख रही है। हालांकि, रूस-यूक्रेन के मुद्दे की वजह से अभी अनिश्चितता कायम है और इससे बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा। भू-राजनीतिक तनाव तथा आपूर्ति-पक्ष की चिंता में कच्चे तेल के दाम फिर ऊंचाई पर पहुंच गए है। यदि इनमें और तेजी आती है, तो यह भारतीय बाजार की चिंता बढ़ाएगा। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि मार्च माह के डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से इस सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। बाजार भागीदारों की निगाह एक अप्रैल को आने वाले वाहन कंपनियों के बिक्री आंकड़ों पर भी रहेगी। वैश्विक मोर्चे पर रूस-यूक्रेन युद्ध से जुड़े घटनाक्रमों पर सभी की निगाह रहेगी। कच्चे तेल की कीमतों पर भी निवेशक विशेष निगाह रखेंगे।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा बाजार का रुख रुपए के उतार-चढ़ाव तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश के रुख से भी तय होगा। रूस-यूक्रेन संघर्ष में किसी तरह की कमी नहीं आने के बीच बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में करीब एक प्रतिशत की गिरावट आई। इससे पिछले दो सप्ताह के दौरान इनमें लाभ दर्ज हुआ था।बाजार ?विशेषज्ञ कहते हैं ?कि घरेलू मोर्चे पर बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा। चालू वित्त वर्ष के अंतिम मासिक निपटान के चलते बाजार की दिशा प्रभावित होगी। अनिश्चितता के बावजूद बाजार जुझारू क्षमता दिखा रहा है। हालांकि, वैश्विक धारणा में कमजोरी का यहां भी असर पड़ सकता है। घरेलू बाजार वैश्विक घटनाक्रमों से दिशा लेगा। युद्ध समाप्त होने और कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ने से भारत अपनी जुझारू क्षमता को कायम रख सकता है। हालांकि लघु अवधि में उतार-चढ़ाव चिंता का विषय रहेगा।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 421 परियोजनाओं की लागत 4.73 लाख करोड़ बढ़ी

- रिपोर्ट में 631 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई

नई दिल्ली (ईएमएस)। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 421 परियोजनाओं की लागत तय अनुमान से 4.73 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ी है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। देरी और अन्य कारणों की वजह से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय उक्त परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की फरवरी-2022 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,565 परियोजनाओं में से 421 की लागत बढ़ी है, जबकि 647 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार इन 1,565 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 21,86,542.05 करोड़ रुपए थी, जिसके बढ़कर 26,59,914.61 करोड़ रुपए पर पहुंच जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 21.65 प्रतिशत या 4,73,352.56 करोड़ रुपए बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार फरवरी-2022 तक इन परियोजनाओं पर 13,26,569.75 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 49.87 प्रतिशत है। हालांकि, मंत्रालय का कहना है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें, तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 553 पर आ जाएगी।

रिपोर्ट में 631 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 647 परियोजनाओं में 84 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 124 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 327 परियोजनाएं 25 से 60 महीने की और 112 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी में चल रही हैं। इन 647 परियोजनाओं की देरी का औसत 42.60 महीने है। इन परियोजनाओं की देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है। इनके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिये जाने में विलंब, परियोजनाओं की संभावनाओं में बदलाव, निविदा प्रक्रिया में देरी, ठेके देने व उपकरण मंगाने में देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि की वजह से भी इन परियोजनाओं में विलंब हुआ है।

अविश्वास प्रस्ताव से पहले इमरान खान की मुश्किल बढ़ी, कैबिनेट मंत्री बुग्ती ने साथ छोड़ा

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के पीएम इमरान खान की मुश्किले कम होने का नाम नहीं ले रही है। अविश्वास प्रस्ताव से ठीक एक दिन पहले करारा झटका लगा है। सरकार जाने के खतरे का सामना कर रहे इमरान खान के कैबिनेट मंत्री शाहजान बुग्ती ने इस्तीफा दे दिया है। वह बलूचिस्तान की जमूरी वतन पार्टी के नेता थे और इमरान खान की सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। जमूरी वतन पार्टी इमरान खान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी की गठबंधन सरकार में सहयोगी थी। इमरान खान के खिलाफ सोमवार को पाकिस्तान की संसद में प्रस्ताव पेश होने वाला है। यह प्रस्ताव शुक्रवार को ही पेश होना वाला था, लेकिन सदन की कार्यवाही स्थगित होने के चलते इसे सोमवार को पेश करने का फैसला लिया गया।

एक तरफ शाहजान बुग्ती ने इमरान खान का साथ छोड़ दिया है तो वहीं दूसरी तरफ वह पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट में शामिल हो गए हैं, जो इमरान खान का विरोध कर रहा है। शाहजान बुग्ती बलूचिस्तान मूवमेंट के बड़े नेता अकबर बुग्ती के पोते हैं। बलूचिस्तान मूवमेंट के चलते ही अकबर बुग्ती की पाकिस्तानी सेना ने 2006 में हत्या कर दी थी। शाहजान बुग्ती ने ऐसे समय में इमरान खान की कैबिनेट को छोड़ा है, जब वह इस्लामाबाद में एक बड़ी रैली करने वाले हैं। इस रैली को इमरान खान की ओर से शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है।

पाकिस्तान की संसद में कुल 342 सदस्य हैं। किसी भी दल को सरकार बनाने के लिए जरूरी है कि उसके पास 172 सांसदों का समर्थन हो। वहीं विपक्ष का दावा है कि इमरान खान के पास 150 ही सांसद हैं। एक तरफ विपक्ष की ओर से इमरान खान सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का फैसला लिया गया है तो वहीं इमरान खान अपने समर्थकों से नेशनल असेंबली के घेराव की बात कह रहे हैं। इमरान खान ने नया पाकिस्तान बनाने के दावे के साथ 2018 में सत्ता संभाली थी। हालांकि आर्थिक संकट और बेरोजगारी के चलते इमरान खान घिरे हुए हैं।

भारत और मालदीव ने एक दूसरे के कोरोना वैक्सीन सर्टिफिकेट को दी मान्यता, इब्राहिम सोलिह से मिले एस जयशंकर

माले (ईएमएस)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह से अड्डू शहर में रविवार को मुलाकात की और दोनों देशों के बीच विशेष साझेदारी पर विस्तार से चर्चा की। एस जयशंकर शनिवार को माले पहुंचे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से राष्ट्रपति सोलिह को शुभकामनाएं दीं।

जयशंकर ने ट्वीट किया मालदीव के राष्ट्रपति सोलिह द्वारा स्वागत किया जाना सम्मान की बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उन्हें व्यक्तिगत शुभकामनाएं दीं। दोनों देशों के बीच विशेष साझेदारी पर चर्चा की, जिसने उनके कार्यकाल में कई ठोस परिणाम दिए। जयशंकर ने कहा उन्हें राष्ट्रपति सोलिह के साथ नेशनल कॉलेज ऑफ पुलिस एंड लॉ एनफोर्समेंट (एनसीपीएलई) के उद्घाटन समारोह में शामिल होने का सौभाग्य मिला।

उन्होंने कहा एनसीपीएलई कानून प्रवर्तन के लिए भारत के मजबूत समर्थन को रेखांकित करता है। जयशंकर ने मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में शनिवार को कहा एनसीपीएलई मालदीव पुलिस सेवा के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने और अपराध से लड़ने की उनकी क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करेगा। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा इसी प्रकार अड्डू सड़क परियोजना का भूमि पूजन हमारी विकास साझेदारी पर जोर देता है। साथ ही अड्डू में सुधार और तट संरक्षण के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। तटीय रडार प्रणाली सौंपने से मालदीव की सुरक्षा मजबूत होगी।

मंत्री ने ट्वीट किया ड्रग डिटॉक्सीफिकेशन एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर का उद्घाटन हमारे लोगों के बीच आपसी संपर्क को दर्शाता है। नया पारिस्थितिकी-पर्यटन क्षेत्र हमारी साझा पर्यावरणीय प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। भारत एवं मालदीव के बीच विकास संबंधी सहयोग के लिए अच्छा दिन रहा। जसशंकर ने अड्डू एटोल मेमोरियल पर माल्यार्पण भी किया। उन्होंने ट्वीट किया इतिहास के पन्नों में दर्ज गान की यात्रा की। मैंने अड्डू एटोल मेमोरियल में भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। जयशंकर ने भारत और मालदीव के बीच समय की कसौटी पर परखे रिश्ते को क्षेत्र में स्थिरता के लिए ताकत बताते हुए शनिवार को कहा था कि दोनों देशों की साझा जिम्मेदारी इसे पोषित और मजबूत करने की है।

जयशंकर ने मालदीव के विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय साझेदारी के व्यापक विषयों पर चर्चा की और दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में जारी परियोजनाओं एवं पहलों का जायजा लिया। दोनों मंत्रियों ने क्षेत्रीय सुरक्षा एवं समुद्री सुरक्षा मामलों पर भी चर्चा की। भारत और मालदीव एक-दूसरे द्वारा जारी किए कोविड-19 रोधी टीकों के प्रमाणपत्र को परस्पर मान्यता देने पर शनिवार को राजी हो गए। इस कदम से दोनों देशों के बीच यात्रा आसान हो जाएगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

इस साल एफपीआई ने बाजारों से निकाले 1.14 लाख करोड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस साल अब तक भारतीय बाजारों से 1,14,855.97 करोड़ रुपए की निकासी की है। भू-राजनीतिक तनाव और मुद्रास्फीति को लेकर चिंता के बीच विदेशी निवेशक भारतीय बाजारों में बिकवाल बने हुए हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने इस महीने अब तक भारतीय शेयरों बाजारों से 48,261.65 करोड़ रुपए की निकासी की है। इस तरह अब तक 2022 में विदेशी निवेशकों की निकासी का आंकड़ा 1,14,855.97 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि रूस-यूक्रेन तनाव की वजह से वैश्विक स्तर पर वृहदआर्थिक स्थिति और मुद्रास्फीतिक दबाव की वजह से विदेशी निवेशक भारतीय बाजारों से निकासी कर रहे हैं। यह लगातार छठा महीना है जबकि विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजारों से निकासी की है। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी की वरिष्ठ ईवीपी और प्रमुख (इक्विटी शोध) शिबानी कुरियन ने कहा ?कि रूस-यूक्रेन युद्ध का भारतीय अर्थव्यवस्था पर सीधा असर काफी सीमित है, क्योंकि इन देशों से हमारी आयात पर निर्भरता नहीं है। हालांकि जिंसों के ऊंचे दाम चुनौतियां पैदा कर रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने जनवरी में भारतीय शेयर बाजारों से 28,526.30 करोड़ रुपए निकाले थे। फरवरी में उनकी निकासी 38,068.02 करोड़ रुपए रही थी। मार्च में अबतक उन्होंने 48,261.65 करोड़ रुपए की बिकवाली की है।

पेरू के पास समुद्र में गूगल अर्थ की मदद से एलिएन जहाज खोजने का किया दाव

लीमा सिटी (ईएमएस)। एलियन जहाजों यानी यूएफओ को खोजने वाले एक व्यक्ति ने दावा किया है कि उसने पेरू के पास समुद्र में एलियन जहाज खोजा है। वह भी गूगल अर्थ की मदद से। समुद्र की तलहटी में मौजूद यह एलियन जहाज पेरू के नाजका लाइन्स से ज्यादा दूर नहीं है। जिस व्यक्ति ने यह एलियन शिप खोजने का दावा किया है, उसका नाम है स्कॉट सी। वेरिंग।

उन्होंने दावा किया है उनके पास प्राचीन एलियन जहाज दिखने का 100 फीसदी पुख्ता सबूत है। स्कॉट का दावा है कि यह प्राचीन एलियन टेक्नोलॉजी है, जो समुद्र के अंदर छिपी हुई है। इसे देखने के लिए आप यहां इंग्लिश में लिखे गूगल अर्थ पर क्लिक करें। यह आपको सीधे पेरू के पास समुद्र के अंदर मौजूद उस एलियन जहाज तक ले जाएगा, जिसकी खोज स्कॉट सी। वेरिंग ने की है।

हैरानी की बात यह है कि स्कॉट जिसे एलियन जहाज कह रहे है, उसका व्यास करीब 7 किलोमीटर है। यह जगह नाजका लाइन्स के पास है। नाजका लाइन्स प्री-कोलंबियन जियोग्लिफ्स हैं। यह पाल्पा घाटी में मौजूद पथरीले तटीय रेगिस्तानी पहाड़ियों के बीच बने हैं। यह बात तो पुख्ता है कि नाजका लाइन्स किसी एलियन द्वारा बनाई गई आकृतियां नहीं हैं।

गूगल अर्थ यह कभी नहीं कहता कि उसके द्वारा समुद्र की तलहटी में दिखाई जा रही चीजें एकदम सटीक और सही हैं। उनका रिप्रेजेंटेशन गलत हो सकता है। इसका मतलब ये है कि वहां पर किसी भी तरह का एलियन जहाज नहीं है। न ही किसी प्राचीन शहर की आकृति। ऐसा हो सकता है कि यह तस्वीर जब गूगल अर्थ पर डेवलप हो रही हो, तो कुछ डेटा सही से एनालाइज न हुए हो। जिनकी वजह से ऐसी आकृति बन रही है।

यह भी हो सकता है कि यह किसी के दिमाग की उपज हो और उसने गूगल अर्थ के साथ छेड़खानी करके किसी तरह की डिजिटल कलाकारी की हो। लेकिन इसका मतलब यह एकदम नहीं है कि गूगल अर्थ पर सारी चीजें गड़बड़ हैं। आप बहुत सारे नक्शे गूगल अर्थ की मदद से निकाल सकते हैं। आपदाओं में लोगों की मदद करने के लिए इसकी सहायता ले सकते हैं। लेकिन आजतक किसी ने इसकी मदद से एलियन का जहाज तो नहीं खोजा है।

अमेरिका में ऊंचे झूले से नीचे गिरा लड़का, मौत

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अमेरिका के ओरलैंडो शहर में एक ऊंचे झूले से झूलने के दौरान गिरने के कारण एक लड़के की दर्दनाक मौत हो गई। थीम पार्क की जिस राइड से ये लड़का नीचे आकर गिरा उसका नाम 'ओरलैंडो फ्री फॉल राइड' है। हादसे के बाद किशोर को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। जब ये हादसा हुआ तो लड़के के माता-पिता पास में ही खड़े थे।

बताया जाता है कि लड़का 430 फीट की ऊंचाई से करीब 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से नीचे गिरा था। वहीं इस घटना के बाद ये स्पष्ट नहीं हो सका है कि लड़के ने सुरक्षा से जुड़ा फीता/ बेल्ट शरीर पर बांधा था या नहीं। हादसा रात के 11 बजे हुआ। वहीं पार्क के कर्मचारियों ने बताया कि शुरुआत में जब ये किशोर नीचे गिरा तो उनको लगा कि झूले का टुकड़ा गिरा है, लेकिन बाद में ध्यान से देखा तो नीचे एक लड़का गिरा हुआ पड़ा था। थीम पार्क में ड्रॉप टावर राइड पिछले साल दिसंबर में शुरू हुई थी। इससे पहले 2020 में भी एक हादसा हुआ था, जब एक कर्मचारी एक दूसरी राइड से गिरकर मर गया था।

430 फीट ऊपर जाने के बाद 120 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से ये राइड नीचे आती है। वहीं ये अभी जांच का विषय बना हुआ कि ये किशोर इस राइड से फ्री कैसे हो गया। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। वैसे इस राइड कंपनी की मालिक स्लिंगशॉट ग्रुप है। इसके सीईओ ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हम पूरी सुरक्षा के साथ राइड को ऑपरेट करते हैं। सुरक्षा के सारे मानदंड का पालन किया जाता है।

भारत ने रूस से आयातित एलएनजी का डॉलर में भुगतान किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की सबसे बड़ी गैस कंपनी गेल (इंडिया) ?लिमिटेड ने रूस की गैजप्रॉम से आयातित तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का भुगतान अमेरिकी डॉलर में किया है। एक व?रिष्ठ अधिकारी ने कहा ?कि यदि भुगतान यूरो या किसी अन्य मुद्रा में मांगा जाता है, तो कंपनी विनिमय दरों में निरपेक्षता की मांग करेगी। गेल का गैजप्रॉम से सालाना 25 लाख टन एलएनजी के आयात का अनुबंध है। इस लिहाज से कंपनी को हर महीने तीन से चार कार्गो या सुपर-कूल्ड प्राकृतिक गैस की खेप जहाज से मिलेगी। जानकारी के मुता?बिक गैजप्रॉम के साथ अनुबंध में डॉलर में भुगतान का प्रावधान है। एलएनजी का कार्गो मिलने के पांच से सात दिन में भुगतान बकाया हो जाता है। अंतिम भुगतान 23 मार्च को डॉलर में किया गया है। 25 मार्च को भी जहाज के जरिये एलएनजी की खेप मिली है। इसका भुगतान अप्रैल की शुरुआत में करना होगा। इस तरह के कोई संकेत नहीं मिले हैं कि इस कार्गो का भुगतान अमेरिकी डॉलर के अलावा किसी अन्य मुद्रा में करना होगा। एक अन्य सूत्र ने बताया कि अभी तक भुगतान डॉलर में किया जा रहा है और इसमें कोई समस्या नहीं आ रही हैं। गैजप्रॉम ने अभी तक गेल को भुगतान के तरीके में बदलाव के बारे में कोई सूचना नहीं दी है। आखिरी भुगतान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के जरिये किया गया। जून, 2018 में गैस की आपूर्ति शुरू होने के बाद से ही एसबीआई के जरिये भुगतान किया जा रहा है। यदि गैजप्रॉम के भुगतान को यूरो में चाहने की खबरें सही साबित होती हैं, तो इस बात की समीक्षा करने की जरूरत होगी कि अनुबंध में मुद्रा में बदलाव कैसे किया जाएगा।

वित्त वर्ष 2025-26 तक रोजगार के 1.2 करोड़ अवसर मिलेंगेः रिपोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंजीनियरिंग, दूरसंचार और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में वित्त वर्ष 2025-26 तक रोजगार के 1.2 करोड़ अवसर उपलब्ध होंगे। एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुनरुद्धार के साथ प्रौद्योगिकी और डिजिटल की पहुंच बढ़ने से इन क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। रिपोर्ट कहती है कि रोजगार के कुल अवसरों में से 17 प्रतिशत बेहद कुशल और विशेषज्ञता वाले विशेषज्ञ कर्मचारियों या पेशवर कर्मियों के लिए उपलब्ध होंगे। पेशेवर नौकरियां-डिजिटल रोजगार का रुख-रिपोर्ट' शीर्षक की रिपोर्ट में इंजीनियरिंग, दूरसंचार और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के 750 से अधिक नियोक्ताओं या अधिकारियों की राय ली गई है। इंजीनियरिंग, दूरसंचार और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र उद्योग 4.0 बदलाव की ओर है। केंद्रीय औद्योगिक नियंत्रण वाली प्रणाली से यह स्मार्ट उत्पाद और प्रक्रियाओं की ओर जा रहा है। अब यह इनके परिचालन के केंद्र में है। जानकारी के मुता?तिबक उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की वजह से मांग काफी तेजी से बढ़ रही है। इन तीन क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में से 25 से 27 प्रतिशत की वृद्धि होगी। कुशल या विशेषज्ञता वाली प्रतिभाओं की मांग आज के 45,65,000 से बढ़कर 2026 तक अनुमानतः 90,00,000 हो जाएगी।

'जलवायु अनुकूलन' परियोजना लागू करने के लिए जयशंकर ने मालदीव सरकार को सराहा

माले (ईएमएस)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 10 करोड़ डॉलर की 'जलवायु अनुकूलन' परियोजना लागू करने के लिए मालदीव सरकार की शनिवार को प्रशंसा की और मालदीव के अपने समकक्ष अब्दुल्ला शाहिद को पड़ोसी देश को ऋण, अनुदान और विकास परियोजनाओं के जरिए भारत की ओर से सहयोग देने का वादा किया।

जयशंकर ने मालदीव के विदेश मंत्री के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'मैं इस अवसर पर दोनों सरकारों (भारत और मालदीव) तथा मालदीव के लोगों की जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में उनके प्रयासों और महत्वाकांक्षा के लिए तारीफ करना चाहूंगा।

भारत, मालदीव के साथ अपनी क्षमताओं को साझा करने के लिए तैयार है। हम पहले ही 34 द्वीप समूहों पर पानी और सफाई की सुविधाओं के विकास में शामिल हैं।'

उन्होंने कहा, 'लेकिन द्वीपीय समुदायों को

दो साल बाद गुजरात में कक्षा 10 एवं 12 वीं बोर्ड परीक्षाएं आज से प्रारंभ

अहमदाबाद (ईएमएस) भीषण गर्मी के बीच सोमवार से गुजरात में कक्षा 10 एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की शुरुआत होगी कोरोना के बाद पहली बार कक्षा 10 एवं 12 के करीब 1498345 विद्यार्थी बोर्ड की परीक्षा देंगे जिसमें कक्षा 10 के 946529, जबकि कक्षा 12 सामान्य संकाय के 425834 और कक्षा 12 विज्ञान संकाय के 95982 विद्यार्थी शामिल हैं गुजरात राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 28 मार्च से कक्षा 10 की परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 1.15 बजे के दौरान ली जाएगी जबकि कक्षा 12 सामान्य संकाय की परीक्षा सुबह 10.30 बजे से 1.45 बजे के दौरान होगी कक्षा 12 विज्ञान संकाय की परीक्षा दोपहर 3 बजे से शाम 6.30 बजे के दौरान ली जाएगी सोमवार से प्रारंभ हो रही बोर्ड परीक्षा में चेकिंग स्क्वॉड, सीसीटीवी कैमरे, परीक्षा केन्द्रों के आसपास आवश्यक प्रबंध किए गए हैं कक्षा 10 और 12 की परीक्षा में किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं हो इसके लिए प्रश्न पत्रों के बॉक्स सीसीटीवी कैमरे के सामने खोलने के आदेश दिए गए हैं बॉक्स खोलने से पहले खंड निरीक्षक और स्थल संचालक के हस्ताक्षर कराने के भी खास आदेश दिए गए हैं कोरोनाकाल के बाद पहली बार ली जा रही बोर्ड विद्यार्थियों के लिए खास नियम जारी किए गए हैं, जिसका सख्ती से पालन कराया जाएगा दूसरी ओर बोर्ड की परीक्षाओं के संदर्भ में पुलिस ने अधिसूचना जारी की हैं जिसके मुताबिक परीक्षा केन्द्र के 100 मीटर के दायरे में 4 से ज्यादा लोग एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया हैं परीक्षा स्थल पर अनाधिकृत व्यक्ति के प्रवेश प्रतिबंध रहेगा परीक्षा केन्द्रों के आसपास जिरोक्स की दुकानें बंद रखने के साथ ही लाउड स्पीकर पर पुलिस ने पाबंदी लगा दी हैं पुलिस की अधिसूचना 28 मार्च से आगामी 12 अप्रैल तक प्रभावी रहेगी इस बीच मौसम विभाग ने आगामी 2-3 दिन राज्यों में भीषण गर्मी की चेतावनी देते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, ऐसे में बोर्ड परीक्षा के विद्यार्थियों को डॉक्टरों ने विशेष सलाह दी हैं

वनरक्षक की परीक्षा का पर्चा लीक होने की चर्चा के बीच कॉपी केस का सरकार का दावा

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य में ली गई वन रक्षक की परीक्षा पर्चा लीक की चर्चा के बाद करीब चार लाख से भी ज्यादा परीक्षार्थियों की बढ़ गई हैं दूसरी ओर इन चर्चा के बीच सरकार ने दावा किया है कि पर्चा लीक नहीं हुआ, बल्कि एक कॉपी केस किया गया हैं गुजरात यूनिवर्सिटी ने वन रक्षक की परीक्षा का पेपर तैयार किया था और परीक्षा लेने की जिम्मेदारी वन विभाग के अग्र मुख्य संरक्षक कार्यालय की थी निर्धारित समय के मुताबिक सुबह 11 बजे शुरू हुई परीक्षा 2 बजे पूर्ण हो गई इस बीच मेहसाणा जिले में उनावा की मीरादातार सर्वोदय विद्यालय में पर्चा लीक होने की खबर सामने आने के बाद हड़कम्प मच गया इस परीक्षा केन्द्र के ब्लॉक नंबर 9-10 के परीक्षार्थी के पास से प्रश्नों के उत्तर कॉपी मिलने से हंगामा मच गया सीट नंबर 1265800 के परीक्षार्थी से बरामद कागज श्री नागरिक मंडल उनावा के लेटरपेड पर उत्तर लिखे हुए थे अन्य परीक्षार्थियों का दावा है कि लेटरपेड में परीक्षा के सभी सवालों के जवाब थे परीक्षार्थियों के हंगामे के बाद पुलिस को बुलाया गया पुलिस ने मामले की जांच शुरू की हैं हांलाकि तब तक चारों और वनरक्षक की परीक्षा लीक होने की खबर के बाद कांग्रेस और आम आदमी पार्टी सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया दूसरी ओर राज्य के शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी ने दावा किया है कि वनरक्षक की परीक्षा का पेपर लीक नहीं हुआ है, बल्कि कॉपी केस किया गया हैं साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि तथ्य सामने आने के बाद कार्यवाही की जाएगी दरअसल परीक्षा शुरू होने के बाद एक परीक्षार्थी पानी पीने के बहाने कक्षा से बाहर आया था और लौटा तो उसके पास एक लेटर पेड था, जिसमें परीक्षा में पूछे गए सवालों के जवाब थे हांलाकि परीक्षा कक्ष में परीक्षार्थी के आते ही निरीक्षक ने उसे पकड़ लिया इस घटना को लेकर पर्चा लीक होने की आशंका जताई जा रही हैं

अमित शाह ने गुजरात में लोगों से पूछा यूपी के बाद बढ़ाई सक्रियता

गांधीनगर (ईएमएस)। चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद अब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का फोकस गुजरात और अपने क्षेत्र की ओर बढ़ गया है। शनिवार को उन्होंने गुजरात की राजधानी गांधीनगर के सोला में कई विकासकार्यों की अधारशिला रखी। इससे पहले भी वे अपने लोकसभा क्षेत्र में परियोजनाओं की शुरुआत कर चुके हैं। इस दौरान शाह ने लोगों से बॉलीवुड फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' देखने का भी आह्वान किया। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल हुए लोगों से सवाल किया, 'क्या आपने कश्मीर वाली फिल्म देखी?' उन्होंने कहा, 'जिसने नहीं देखी है, देखिए और आपको यह पता होना चाहिए कि कांग्रेस शासन में कश्मीर में किस तरह का आतंक और उत्पीड़न था।' शाह लगातार अपने लोकसभा क्षेत्र में परियोजनाओं का लोकार्पण कर रहे हैं। शाह ने लोगों को टीकाकरण को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की पहल के बारे में याद दिलाया। उन्होंने बताया, 'अगर राष्ट्र तीसरी लहर से बचा है, तो नरेंद्र मोदी साहब से मिली वैक्सीन इसके लिए जिम्मेदार है।' कलोल में कार्यक्रम के दौरान शाह ने चार राज्यों में जीत पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, 'सभी चार राज्यों में कांग्रेस पूरी तरह साफ हो गई है और दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है।' उन्होंने कहा, 'यह नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीयों के भरोसे की गवाही है।' उन्होंने आगे बताया, 'यह नरेंद्र मोदी की नीतियों में लोगों की स्वीकार्यता को बताता है।' गृहमंत्री ने कहा, 'हाल ही में मैं कांग्रेस के एक नेता से मिला, वे यूपी में आए नतीजों से खुश थे। उन्होंने कहा कि हमारी सीटें बसपा से दोगुनी हैं, उन्हें एक मिली, हमें दो मिली हैं।' शाह ने कहा, 'अब ऐसा सकारात्मक दृष्टिकोण कांग्रेस के दोस्तों के अलावा कहीं नहीं मिलेगा, जहां वे 403 में से दो सीटों पर खुश हो सकते हैं क्योंकि उनके पास बसपा से दोगुनी सीटें हैं। शाह ने लोगों को टीकाकरण को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की पहल के बारे में याद दिलाया। उन्होंने बताया, 'अगर राष्ट्र तीसरी लहर से बचा है, तो नरेंद्र मोदी साहब से मिली वैक्सीन इसके लिए जिम्मेदार है।' कलोल में कार्यक्रम के दौरान शाह ने चार राज्यों में जीत पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, 'सभी चार राज्यों में कांग्रेस पूरी तरह साफ हो गई है और दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है।' उन्होंने कहा, 'यह नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीयों के भरोसे की गवाही है।' उन्होंने आगे बताया, 'यह नरेंद्र मोदी की नीतियों में लोगों की स्वीकार्यता को बताता है।' गृहमंत्री ने कहा, 'हाल ही में मैं कांग्रेस के एक नेता से मिला, वे यूपी में आए नतीजों से खुश थे। उन्होंने कहा कि हमारी सीटें बसपा से दोगुनी हैं, उन्हें एक मिली, हमें दो मिली हैं।' शाह ने कहा, 'अब ऐसा सकारात्मक दृष्टिकोण कांग्रेस के दोस्तों के अलावा कहीं नहीं मिलेगा, जहां वे 403 में से दो सीटों पर खुश हो सकते हैं क्योंकि उनके पास बसपा से दोगुनी सीटें हैं।

राज्य में कोरोना के 9 नए केस, 26 हुए ठीक, कोई मौत नहीं

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में रविवार को कोरोना के केवल 9 नए मरीज सामने आए हैं, वहीं 26 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया राज्य में अब तक 1212670 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 99.08 प्रतिशत पर पहुंच गया हैं फिलहाल राज्य में कोरोना के 259 एक्टिव केस हैं, जिसमें 3 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं और 256 स्टेबल हैं जबकि कोरोना से अब तक 10942 मरीजों की मौत हो चुकी हैं राज्य में आज भी कोरोना से कोई मौत नहीं हुई आज भी कोरोना के सबसे अधिक 4 मामले अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सामने आए जबकि सूरत कॉर्पोरेशन, वडोदरा कॉर्पोरेशन, आणंद, दाहोद और खेडा में कोरोना का 1-1 केस दर्ज हुआ राज्य के 5 कॉर्पोरेशन और 30 जिलों में कोरोना का एक भी केस पिछले 24 घंटों में सामने नहीं आए जबकि 4 कॉर्पोरेशन और 28 जिलों में कोरोना का एक भी सक्रिय मरीज नहीं हैं रविवार को राज्यभर में 17310 लोगों का टीकाकरण किया गया जिसमें 18 वर्ष से अधिक आयु के 969 को पहला और 4843 लोगों को दूसरा डोज दिया गया 15 से 18 वर्षी आयु के 389 किशोरों को पहली और 1310 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई 12 से 18 वर्षीय किशोरों को कोरोना का पहला टीका लगाया गया जबकि 2343 नागरिकों को प्रीकॉशन ढोज दिया गया राज्य में अब तक 10 करोड़ 58 लाख 47 हजार 409 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं

नाजायज संबंधों में गर्भ रह जाने से जीजा ने साली को मौत के घाट उतार दिया, आरोपी गिरफ्तार

युवती ने धमकी दी थी कि यदि वह इसके शादी नहीं करेगा तो अपने पिता को अपने अफेयर के बारे में बताएगी

वडोदरा (ईएमएस) जिले के मंडाला गांव के एक खेत से युवती की हत्या के मामले की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया हैं आरोपी मृत युवती का बहनोई है और दोनों के बीच नाजायज संबंध थे नाजायज संबंधों के से युवती गर्भवती हो गई थी और अपने जीजा पर शादी का दबाव डाल रही थी जिसकी वजह से आरोपी ने अपनी साली की गला घोंटकर हत्या कर दी जानकारी के मुताबिक वडोदरा जिले की डभोई तहसील के मंडाला गांव की 19 वर्षीय युवती का शव गत 25 मार्च को स्थानीय निवासी दीपक कांतिभाई पटेल के खेत की मेंड से बरामद हुआ था इस संदर्भ में नर्मदा जिले की गरुडेश्वर तहसील के मांकडखला गांव के मूल निवासी कांडिया बलियाभाई वसावा ने डभोई पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी डभोई पुलिस के साथ एलसीबी और एसओजी ने मामले की जांच शुरू की पुलिस की प्राथमिक जांच में पता चला कि किसी अज्ञात शख्स ने युवती का गला घोंट कर उसकी हत्या कर शव खेत की मेंड पर फैंक दिया इस दौरान संदेह के आधार पर पुलिस ने मुकेश डुंगरा भील नामक शख्स को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी शुरुआती ना नुकुर के बाद मुकेश भील ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए मुकेश ने बताया कि सात महीने पहले वह अपनी पत्नी और सास-ससुर के साथ मंडाला गांव में जशभाई पटेल के खेत में काम करने आए थे तीन महीने के बाद अतिरिक्त श्रमिकों की जरूरत होने पर मेरे ससुर ने अपनी दो बेटियों को भी बुला लिया उस दौरान 19 वर्षीय साली के साथ मुझे प्यार हो गया और बाद में उसके साथ शारीरिक संबंध भी बनाए जिससे साली गर्भवती हो गई गर्भवती होने पर साली आए दिन शादी के लिए दबाव डालने लगी और शादी नहीं करने पर अपने पिता को सच्चाई बताने की धमकी देने लगी जिसे लेकर दोनों के बीच झगड़े होने लगे बकौल मुकेश साली की दबाव से वह इतना तंग आ गया कि उसकी हत्या करने का फैसला कर लिया इसके अंतर्गत साली को खेत में बुलाया और दुपट्टे से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी पुलिस ने भील को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं

पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी करके जांच शुरू कर दी

किशोरी पर मकान मालिक तीन बच्चों के पिता ने दुष्कर्म किया

१५ वर्ष की किशोरी पर दुष्कर्म करने के बाद पीड़ित की चचेरी बहन पर भी दुष्कर्म करने का प्रयास किया गया

अहमदाबाद (ईएमएस) जिले ओड गांव में मकान निर्माण में काम कर रही नाबालिग श्रमिक किशोरी के साथ तीन संतानों के पिता ने दो दफा दुष्कर्म किया मामला तब सामने आया जब पीड़िता की चचेरी बहन के साथ भी शख्स ने दुष्कर्म करने का प्रयास किया खंभोलज पुलिस ने आरोपी शख्सों को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक आणंद जिले के ओड गांव निवासी 35 वर्षीय मितेश घनश्यामभाई तलपदा अपना नया मकान बनवा रहा हैं मितेश तलपदा विवाहित और तीन संतानों का पिता भी हैं इसके बावजूद मकान निर्माण में उसके यहां मजदूरी करने आती नाबालिग लड़की को अपनी हवस का शिकार बनाने की फिराक में थी गत 10 मार्च को श्रमिक लड़की रेत डालने निर्माणाधीन मकान में गई थी, जहां पहले से मौजूद मितेश ने उसे दबोच लिया और उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया घटना के चार दिन बाद मितेश ने लड़की के साथ दोबारा दुष्कर्म किया और धमकी दी कि अगर उसने किसी को कुछ बताया तो वह उसे जान से मार देगा और समाज में बदनाम कर देगा धमकी से डरी किशोरी ने किसी से घटना का शिकायत नहीं की लड़की की खामोशी से मितेश बेखौफ हो गया और पीड़िता की 14 वर्षीय चचेरी बहन को अपनी हवस की शिकार बनाने के प्रयास में थी एक दिन पीड़िता के चाचा के घर में पक्कड़ लेने के बहाने मितेश घुस गया जहां 14 वर्षीय किशोरी के साथ शारीरिक छेड़छाड़ कर उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया परंतु किशारी के चीखने चिल्लाने पर मितेश वहां से भाग निकला इस घटना के बाद दो दफा दुष्कर्म का शिकार हो चुकी नाबालिग लड़की ने अपने परिवार से मितेश की दुष्कृत्यों की शिकायत कर दी और मामला पुलिस थाने पहुंच गया पीड़िता की शिकायत के आधार पर खंभोलज पुलिस ने मितेश तलपदा के खिलाफ मामला दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी

सभी जिलों और शहरों के प्रमुखों की नियुक्ति

गुजरात कांग्रेस का सोशल मीडिया का नया ढांचा जारी

नये ढांचे में १५ उपप्रमुख, ३० महामंत्री, ४४ मंत्री तथा ६० एक्जीक्यूटीव कमेटी मैंबर जारी किए गए हैं

अहमदाबाद, २७ मार्च ।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया का नया ढांचा जारी किया गया है । गुजरात के अलग अलग जोन में से १५० से ज्यादा कार्यकर्ताओं को स्थान दिया गया है। सभी जिलों और शहरों के प्रमुखों की नियुक्ति की गई है । नये ढांचे में १५ उपप्रमुख, ३० महामंत्री, ४४ मंत्री तथा ६० एक्जीक्यूटीव कमेटी मैंबर जारी किए गए हैं । आगामी समय में कांग्रेस पार्टी की विचारधारा जन जन तक पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया का नया ढांचा जारी किया गया है । प्रदेश ढांचे की नियुक्ति के साथ भरूच कांग्रेस में विवाद शुरू हो गया है । भरूच में क्षत्रिय समाज को महत्व देने पर अन्य समाज नाराज हुआ है ।

ारूच जिला कांग्रेस के प्रमुख बदलने की मांग हो रही है । प्रमुख परीमलसिंह राणा विफल जाने का आरोप लगाया गया है । स्थानीय स्वराज्य के चुनावों में विफल होने पर भी नहीं बदले जाने से नाराजगी देखने को मिल रही है । आज जारी हुई नई नियुक्तियों में भरूच जिले से ४ लोगों को शामिल किया गया है। जिसमें ४ में से ३ लोग क्षत्रिय समाज के होने की वजह से अन्य समाज नाराज हुए हैं । राजेन्द्रसिंह राणा, मानसिंह डोडीया और संदीप मांगरोला की नियुक्ति की गई है । तीन क्षत्रिय सीनियरों को महामंत्रीबनाने पर नाराजगी देखने को मिल रही है । भरूच में ओबीजी की आबादी १७ फीसदी होने पर भी स्थान नहीं दिए जाने का आरोप लगाया गया है । भरूच में एससी -एसटी की आबादी ४० फीसदी होने पर भी महत्व नहीं दिए जाने पर नाराजगी देखने को मिल रही है । अल्पसंख्यक समाज की आबादी १८ फीसदी होने पर भी एक ही व्यक्ति को स्थान और क्षत्रिय की आबादी ४ फीसदी होने पर भी ४ व्यक्ति को संगठन में शामिल करने पर कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखने को मिल रही है । परिमलसिंह राणा को हटाने के लिए कांग्रेस के दो गुट आमने-सामने है ।

बीरभूम हिंसा की सीबीआई जांच को भाजपा प्रभावित करने की कोशिश कर रही है - तृणमूल

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि राज्य में बीरभूम जिले के बोगतुई गांव में हुई हत्या की सीबीआई जांच को भाजपा प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। वहीं भगवा पार्टी ने आरोप लगाया कि टीएमसी ने 22 मार्च की घटना के बाद अपनी विश्वसनीयता खो दी है। इस घटना के आठ मृतकों में बच्चे और महिलाएं शामिल हैं।

नींबू की कीमत २०० रुपये तक पहुंच गई

गर्मी की शुरूआत में सब्जी की कीमत में भारी वृद्धि

अहमदाबाद, २७ मार्च ।

महंगाई देश की जनता पर जैसे चौतरफा वार कर रही है । पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ने से लोग परेशान थे इसके साथ ही यह भी जानकारी सामने आई है कि ८०० से ज्यादा दवा की कीमतों में १० फीसदी तक की वृद्धि होगी और इतना कम हो वैसे ही सब्जी की कीमत में भारी वृद्धि हुई है । अभी तो गर्मी की शुरूआत हुई है और सब्जी की कीमत दोगुना हो गई है । उल्लेखनीय है कि गर्मी में सब्जी कम आती होने की वजह से इसकी कीमत बढ़ जाती है। लेकिन शुरूआत में इतनी ज्यादा कीमत बढ़ जाने पर निश्चित रूप से महिलाओं का बजट ठप हो जाएगा। नींबू की बात करे तो खुदरा बाजार में नींबू की कीमत २०० रुपये प्रति किलो पहुंच गई है। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष में गर्मी में नींबू की कीमत बढ़ती है। अहमदाबाद शहर की बात करे तो मुख्य बाजार सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों के सब्जी मार्केट में यह कीमत वृद्धि देखने को मिलती है। १० दिन पहले नींबू ७० रुपये प्रति किलो मिलता था। अब नींबू की कीमत २०० रुपये प्रति किलो हो गया है। महिलाएं कम कीमत पर नींबू खरीदने के लिए बाजारों में जा रही है लेकिन सभी व्यापारी करीब एक ही कीमत पर बेच रहे है । सिर्फ बात नींबू की नहीं है अन्य सब्जियों की कीमत भी रोकेट गति से बढ़ गया है जिसकी वजह से महिलाएं परेशान है । अन्य सब्जियों के जैसे आगामी समय में प्याज और आलू की कीमत भी बढ़े ऐसी आशंका व्यापारी व्यक्त कर रहे है। व्यापारियों का कहना है कि गर्मी की शुरूआत में ही सब्जी की आवक घटने की वजह से कीमत में वृद्धि हो रही है । सिर्फ खुदरा ही नहीं, होलसेल मार्केट में भी सब्जी की कीमत १० दिन में दोगुना हो गई है । उल्लेखनीय है कि गर्मी में नींबू का इस्तेमाल काफी ज्यादा होता है इसके सामने मार्केट में नींबू कम आ रहा है जिसकी वजह से कीमत में वृद्धि देखने को मिल रही है ।

राज्य में भीषण गर्मी आगामी सप्ताह में राहत नहीं, यलो अलर्ट जारी किया

अहमदाबाद, २७ मार्च ।

गर्मी से कुछ दिन राहत मिलने के बाद तापमान ४२ डिग्री पर पहुंच गया है और आगामी सप्ताह की शुरूआत में भी गर्मी का तापमान ४२ डिग्री पर पहुंच जाएगा । रविवार को राज्य में न्यूनतम तापमान २२ डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान ४२ डिग्री पर पहुंच गया है । २८ तारीख से शुरू हो रहे नये सप्ताह में लगातार तीन दिन के लिए यलो अलर्ट रहने का पूर्वानुमान है । जिसमें अहमदाबाद सहित गांधीनगर और उत्तर गुजरात तथा सौराष्ट्र में हीटवेव का असर रहने वाला है । इस दौरान बाहर निकलते समय ध्यान रखने की सलाह मौसम विभाग द्वारा दी गई है । रविवार को राज्य में तापमान ४० को पार करके ४२ पर पहुंच गया है और इसमें राज्य के उत्तर गुजरात के बनासकांठा और कच्छ में ऑरेंज अलर्ट दिया गया है । ऑरेंज अलर्ट बाद आगामी तीन दिने राज्य में यलो अलर्ट रहेगा जिसमें सोमवार को अहमदाबाद, गांधीनगर, साबरकांठा, पाटण, मेहसाणा और सौराष्ट्र के राजकोट, अमरेली, पोरबंदर तथा सुरेन्द्रनगर में भारी गर्मी पड़ेगी । यह क्षेत्रों में हीटवेव भी रहेगा । इसके बाद मंगलवार और बुधवार को अहमदाबाद, गांधीनगर, बनासकांठा, साबरकांठा, पाटण और मेहसाणा और सौराष्ट्र के राजकोट, अमरेली, पोरबंदर तथा सुरेन्द्रनगर और कच्छ में हीटवेव के साथ यलो अलर्ट रहेगा । पिछले सप्ताह में भी राज्य में हीटवेव और यलो अलर्ट दिया गया । एक्सपर्ट द्वारा हिटवेव के दौरान सीधा सूर्य प्रकाश में नहीं जाने की सलाह दी गई है । इसके अलावा यदि जाना जरूरी हो तो सिर ढक रखना और सूती कपड़ा पहनना चाहिए । गर्मी की वजह से शरीर से पानी की मात्रा कम नहीं हो इसकी विशेष ध्यान रखना जरूरी है । हीटवेव की वजह से १ वर्ष से छोटे बच्चे, बुजुर्ग व्यक्ति और जो गंभीर बीमारी से पीड़ित है उनका विशेष ध्यान रखना जरूरी है । आगामी दिनों में गर्मी का तापमान ४२ डिग्री रहेगा । अप्रैल महीने में राज्य में गर्मी रिकॉर्ड तोड़ने के बाद आगामी दिनों में स्थिति और भी भयावह हो सकती है ।

१३ वर्ष की लड़की को पिता के दोस्त ने हवस का शिकार बनाया

सूरत, २७ मार्च ।

शहर के रांदेर क्षेत्र में १३ वर्षीय लड़की के साथ दुष्कर्म की चौंकाने वाली घटना सामने आई है । यह लड़की को इसके पिता के विशेष दोस्त ने नजर बिगाड़ करके हवस का शिकार बनाया । पूरे मामले में लड़की ने सच्चाई बताने पर पिता ने शिकायत दर्ज कराई है, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार शहर पुलिस की शी टीम द्वारा आयोजित इसकी स्कूल में एक जागरूकता कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद १३ वर्ष की किशोरी ने बलात्कार की शिकायत करने की हिम्मत की । लड़की ने इसके दोस्त और शिक्षक को पहले बलात्कार और यौन शोषण की जानकारी दी और इसके बाद मामला पुलिस तक पहुंच गया। यह मामले में पुलिस ने शनिवार को रांदेर क्षेत्र में रहते २७ वर्षीय सूरजसिंह राठुर को इसके घर से गिरफ्तारी की थी । जांच में यह भी जानकारी मिली है कि, सूरजसिंह ने लड़की के मां-पिता घर पर नहीं हो तब २९ जनवरी से ६ फरवरी के दौरान कई बार बच्ची पर यौन शोषण करके दुष्कर्म किया । आरोपी और पीड़िता के पिता संयुक्त रूप से रस्ता की एक गाड़ी पर पानीपूरी बेचते है। पीड़िता के मां-पिता शहर के बाहर गये थे और उन्होंने आरोपियों को उनकी किशोरी और इसकी बड़ी बहन की देखभाल रखने के लिए कहा था क्योंकि वह ठाकुर को जानते थे और विश्वास करते थे। हालांकि आरोपी ने इसके साथ बलात्कार किया और किसी को बतायेगी तो जान से मार देने की धमकी दी थी। यह पूरे मामले में रांदेर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया है कि लड़की शुरूआत में डर गई थी । लेकिन शी टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रम के बाद लड़की ने हिम्मत बताकर पूरा मामला स्कूल और परिवार को जानकारी देने पर मामला सामने आया। जिसकी वजह से पुलिस ने सूरजसिंह के खिलाफ कई धारा के तहत अपराध दर्ज किया है।

संबंध के बाद गर्भ रहने पर दामाद ने साली की हत्या करने का खुलासा

वडोदरा, २७ मार्च ।

डभोई तहसील के लिंगस्थली गांव में ३ महीने पहले दो हवसखोरों का शिकार हुई युवती ने मुंबई में रेप की शिकायत दर्ज कराई थी । यह शिकायत डभोई पुलिस स्टेशन में ट्रांसफर होने पर पुलिस की जांच में युवती पर सामूहिक बलात्कार नहीं लेकिन पिछले डेढ़ वर्ष से जिस युवक के साथ प्रेम संबंध था वह युवक के साथ शारीरिक संबंध से इसे गर्भधारण हुए होने का सामने आया है। समाज में इज्जत जाएगी तो इस डर से २१ वर्षीय युवती ने शिकायत दर्ज कराने के बाद युवती ने जान गंवाई। मृतक मुंबई में नौकरानी का काम करती थी और जनवरी में अपने वतन आई थी । इसी महीने में वह मुंबई वापस आई थी । इस दौरान इसकी पीरियड्स मिस होने पर अस्पताल में ले जाई गई थी, जहां तपास करने पर वह गर्भवती होने का सामने आया । इसके बाद युवती ने थाणे के चारकोप पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि वतन की मुलाकात के दौरान दो व्यक्तियों द्वारा इस पर रेप किया गया था । पुलिस शिकायत में उसने दावा किया था कि इसके घर से वापस आ रही थी और लेने के लिए मामा को बुलाया था । हालांकि उनको आने में देरी होने पर उसने ऑटो रिक्शा में लिफ्ट ली जिसमें ड्राइवर के अलावा पैसेंजर सीट पर एक व्यक्ति बैठा था । युवती ने यह भी बताया है कि, शोर्टकट का उपयोग कर रहे होने का दावा करके रिक्शा चालक इसे सूनसान स्थल पर ले गया था । ड्राइवर और अन्य व्यक्ति ने इस पर कथित तरीके से बलात्कार किया था । युवती ने बताया है कि वह दर्द में थी और उसने इस घटना किसी को नहीं बताया । यह जनवरी में ही मुंबई वापस आई थी। डभोई पुलिस स्टेशन में गुरुवार को चारकोप पुलिस स्टेशन से ट्रांसफर किए गये केस के आधार पर अपराध दर्ज किया था । महिला का निवेदन दर्ज किया गया था और उसने शुक्रवार को फिर से पुलिस स्टेशन की मुलाकात लेने के लिए कहा गया । हालांकि शुक्रवार को उसने आत्महत्या कर ली ।

WIRC वैश्विक आर्थिक युग में सामरिक लागत प्रबंधन में उभरते रुझान पर दो दिवसीय क्षेत्रीय लागत सम्मेलन 2022 की मेजबानी करता है

अहमदाबाद, 26 मार्च, 2022 - भारतीय लागत लेखाकार संस्थान की पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद (डब्ल्यूआईआरसी) ने शनिवार 26 और रविवार 27 मार्च 2022 को नारायणी हाइट्स, गांधीनगर, गुजरात में दो दिवसीय क्षेत्रीय तट सम्मेलन 2022 का आयोजन किया। कॉस्ट कन्वेंशन का विषय वैश्विक आर्थिक युग में सामरिक लागत प्रबंधन में उभरते रुझान है।

इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि गुजरात सरकार के उद्योग, कुटीर और नमक उद्योग, सहकारिता वन आदि मंत्री श्री जगदीशभाई ईश्वरभाई विश्वकर्मा थे। राजू अय्यर, उपाध्यक्ष सीएमए विजेंदर शर्मा, डब्ल्यूआईआरसी अध्यक्ष सीएमए दिनेश कुमार बिड़ला और डब्ल्यूआईआरसी के उपाध्यक्ष सीएमए श्रीराम एन. महाकालिवा के कुशल नेतृत्व में किया गया था।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री दिनेश बिड़ला-अध्यक्ष डब्ल्यूआईआरसी-आईसीएआई-अहमदाबाद ने कहा, ''हमने लागत नियंत्रण और कमी तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए 26 और 27 मार्च को दो दिवसीय तट सम्मेलन का आयोजन किया है। यह प्रक्रिया अनुकूलन और अपशिष्ट उन्मूलन के साथ-साथ उत्पादकता में सुधार करने में मदद करेगा। यह हमारे उत्पादों को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाएगा। लागत और प्रबंधन लेखाकार छोटे और मध्यम आकार के व्यवसायों को लागत बचाने में मदद करेंगे। ''

सीएमए राजेंद्र राठी ने महामारी के बाद कार्यक्रम आयोजित करने के अपने अनुभव का वर्णन करते हुए कहा कि आज के संगोष्ठी में 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया। और, रिलायंस के वरिष्ठ कार्यकारी ने लागत प्रबंधन में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग पर एक मुख्य भाषण दिया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण भी शामिल था।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95